मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा-पंजाब एवं नई दिल्ली से प्रकाशित

www.ajaybharat.com

दैनिक अजय भारत

ग्वालियर

शुक्रवार, 7 अगस्त 2026

वर्ष: 13, अंक: 289

पेज:08, मूल्य ₹ 2.00 रूपये

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस आज

सीएम डॉ. मोहन यादव बोले- 2030 तक देश के ऊर्जा लक्ष्य में निभाएंगे बड़ी भूमिका

अंतरराष्ट्रीय मंच पर चमका मध्यप्रदेश

नई दिल्ली। अजयभारत न्यूज

मध्यप्रदेश ने स्वच्छ और नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अपनी बढ़ती ताकत का प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय मंच पर किया है। नई दिल्ली में आयोजित 7वें अंतरराष्ट्रीय नवकरणीय ऊर्जा सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश की ऊर्जा नीति, बड़े निवेश और भविष्य की योजनाओं को दुनिया के सामने रखा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश केवल बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि अब ग्रीन एनर्जी, ऊर्जा भंडारण और स्वच्छ औद्योगिक विकास का प्रमुख केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत ने वर्ष 2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य रखा है और मध्यप्रदेश इस राष्ट्रीय लक्ष्य में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए पूरी तैयारी के साथ काम कर रहा है।

सम्मेलन में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एयरपोर्ट से निजी वाहन के बजाय दिल्ली मेट्रो एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन से यात्रा की। उन्होंने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा का संदेश केवल भाषणों से नहीं बल्कि व्यवहार से भी दिया जाना चाहिए। दिल्ली मेट्रो बड़े स्तर पर सौर ऊर्जा का उपयोग करती है, इसलिए उन्होंने इसे पर्यावरण संरक्षण का बेहतर उदाहरण बताया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नवकरणीय ऊर्जा के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होने के लिए एयरपोर्ट से दिल्ली मेट्रो की सवारी की।

12 साल में 25 गुना बढ़ी प्रदेश की ऊर्जा क्षमता

मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले एक दशक में मध्यप्रदेश ने ऊर्जा क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2014 के आसपास जहां प्रदेश की नवकरणीय ऊर्जा क्षमता लगभग 438 मेगावाट थी, वहीं अब यह बढ़कर 11,000 मेगावाट के करीब पहुंच चुकी है। यह करीब 25 गुना वृद्धि है, जो प्रदेश की ऊर्जा नीति और निवेश को दर्शाती है।

(डिटेल पेज - 8)

मोदी कैबिनेट के फैसले

अब गोबर से भी बढ़ेगी किसानों की कमाई, क्या है गोबरधन योजना ?

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्र सरकार ने स्वच्छ ऊर्जा, ग्रामीण विकास और पूर्वोत्तर में बेहतर सड़क संपर्क को लेकर दो बड़े फैसले किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में 23,731 करोड़ रुपये की गोबरधन (गोबरधन यानी नेशनल सर्कुलर बायोएनर्जी स्कीम) को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही असम में राष्ट्रीय राजमार्ग-15 पर गुवाहाटी के पास बाईहाटा चारियाली से तेजपुर तक 135.871 किलोमीटर लंबे चार लेन एक्सेस कंट्रोल्ड कॉरिडोर के निर्माण को भी मंजूरी मिली है। इस हाईवे पर 8,970.20 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

नई गोबर गोबरधन योजना का मकसद देश के गोबर, कृषि अवशेष, गन्ना मिलों से निकलने वाले प्रेसमड, नगर निकायों के जैविक कचरे और दूसरे बायोमास को स्वच्छ ईंधन में बदलना है। सरकार का लक्ष्य है कि इससे संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी) का उत्पादन तेजी से बढ़े, किसानों को अतिरिक्त आय मिले, गांवों में रोजगार पैदा हो और आयातित जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम हो।

यह योजना वित्त वर्ष 2026-27 से 2035-36 तक लागू रहेगी।

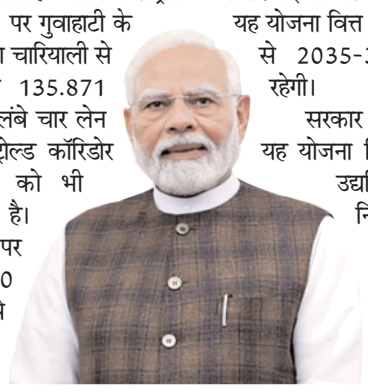

सरकार का कहना है कि यह योजना किसानों, ग्रामीण उद्यमियों और निजी निवेशकों के लिए नए अवसर खोलेगी। सीबीजी संयंत्रों के लिए गोबर और कृषि अवशेष खरीदने से किसानों को अतिरिक्त कमाई होगी। इसके साथ ही जैविक खाद का उत्पादन बढ़ेगा और कचरे का वैज्ञानिक तरीके से उपयोग होगा। सरकार का लक्ष्य घरेलू सीबीजी उत्पादन को लगभग दस गुना तक बढ़ाना है ताकि देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत हो सके।

योजना में कौन-कौन से बड़े प्रावधान?

- सीबीजी की सुनिश्चित खरीद... उत्पादकों के लिए स्थायी बाजार उपलब्ध कराया जाएगा।
- स्थिर मूल्य प्रणाली... सीबीजी की प्रशासनिक कीमत 2,110 रुपये प्रति एमएमबीटीयू तय करने का ढांचा बनाया गया है।
- पूंजी सहायता... पात्र नई परियोजनाओं को प्रति टन प्रतिदिन क्षमता पर अधिकतम 2 करोड़ रुपये तक की सहायता मिलेगी।

HIGHLIGHTS NEWS

हाईलाइट्स न्यूज

मोहन भागवत

आंदोलन भी संवाद का तरीका

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को मुंबई में जेन -जी और जेन अल्फा छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि छात्रों का आंदोलन भी संवाद कर एक तरीका है। छात्र इस तरह से भी सरकार तक अपनी बात पहुंचा सकते हैं। मोहन भागवत ने कहा कि जेन -जी आंदोलन देश के खिलाफ नहीं है, वे इस आंदोलन को गलत नहीं मानते हैं।

धर्म/आस्था

गौरी योग का शुभ संयोग

नई दिल्ली। आज अगस्त दिन है शुक्रवार और चंद्रमा का गोचर हो रहा है कृतिका उपरांत रोहिणी नक्षत्र से वृषभ राशि में। ऐसे में कल गोरी योग का शुभ संयोग बन रहा है। और शुक्र के साथ चंद्रमा का नवम पंचम योग भी बन रहा है। जबकि कल शुक्रवार के दिन चंद्रमा से दूसरे भाव में मंगल के होने से सुनफा नामक शुभ योग भी बना हुआ है। साथ ही कल कर्क राशि मे बुधादित्य योग का भी संयोग बना हुआ है जबकि चंद्र बल की बात करें तो कल वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक और धनु राशि वालों के लिए विशेष शुभ स्थिति रहने वाली है।

उषा नाडकर्णी

दर्द भरी आप बीती

मुंबई। दिग्गज अभिनेत्री उषा नाडकर्णी ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में लगभग सात दशक बिताए हैं। उन्होंने हिंदी, मराठी सिनेमा और टेलीविजन में यादगार अभिनय के लिए बहुत प्यार पाया है। उषा नाडकर्णी ने बताया है कि कैसे वह सख्त माहौल में पलीं-बढ़ीं। अब वह अकेली रहती हैं। उन्होंने अपने बेटे के बारे में भी बताया है जो उन्हें असली मां नहीं मानता है।

न्यूज कॉर्नर

अतीक अहमद के छोटे बेटे की मौत

झांसी। (ए.) यूपी के झांसी में माफिया अतीक अहमद के बेटे की सड़क हादसे में मौत हो गई है। अतीक अहमद के सबसे छोटे बेटे अबान अहमद की तेज रफ्तार कार झांसी-कानपुर हाईवे पर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। अबान प्रयागराज से झांसी जेल में अपने बड़े भाई से मिलने जा रहा था, इसी दौरान बीच रास्ते में यह हादसा हो गया। हादसे में अबान और उसके दोस्त सोनू की मौत हुई व 3 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। आपको बता दें कि इससे पहले अतीक का बेटा असद एनकाउंटर में ढेर हो गया था। उमेश पाल हत्याकांड केस में असद का एनकाउंटर हुआ था।

- **डिवाइडर से टकराई कार**
- **जेल में बंद बड़े भाई से मिलने जा रहा था अबान**

झांसी के पूंछ थाना क्षेत्र में यह हादसा हुआ है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक अबान की तेज रफ्तार कार अचानक हाईवे पर आए एक जानवर को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इस घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस के अनुसार क्रेटा कार में सवार 5 लोग झांसी की ओर जा रहे थे। रास्ते में हाईवे पर अचानक एक जानवर आ गया।

मानसून सत्र

संसद में गतिरोध... रिजिजू-राहुल में बात

रिजिजू बोले- राहुल से हुई सकारात्मक बातचीत

नई दिल्ली। एजेंसी

संसद के मानसून सत्र में विपक्ष के हंगामे के कारण लगातार गतिरोध बना हुआ है। सदन की कार्यवाही बार-बार बाधित हो रही है। इसी बीच गुरुवार को केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी से बातचीत की। रिजिजू ने इस मुलाकात को सकारात्मक बताया। उन्होंने कहा कि सरकार विपक्ष के साथ लगातार संवाद बनाए रखना चाहती है।

क्या राहुल गांधी से वार्ता से खत्म होगा संसद का गतिरोध?

रिजिजू ने बताया कि राहुल गांधी के साथ एक विशेष मुद्दे और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि सरकार कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के साथ बेहतर समन्वय चाहती है। रिजिजू के

मुताबिक, राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन राष्ट्रीय हित में सभी को मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विरोधी होना दुश्मन होने के बराबर नहीं है।

रेप केस में तरुण तेजपाल को सजा

पणजी। (ए.) बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा बेंच ने गुरुवार को तहलका मैगजीन के पूर्व एडिटर-इन-चीफ तरुण तेजपाल को रेप केस में दोषी करार दिया। उन्हें 10 साल जेल की सजा सुनाई। कोर्ट ने कहा कि वे 2 हफ्ते में सरेंडर करें। इससे पहले मई 2021 में गोवा की ट्रायल कोर्ट ने सबूतों के अभाव में तेजपाल को बरी कर दिया था। इसके बाद मामला हाईकोर्ट पहुंचा था। मामला नवंबर 2013 का है। तहलका की महिला पत्रकार ने आरोप लगाया था कि गोवा में आयोजित थिंक फेस्ट के दौरान 7 और 8 नवंबर की रात होटल की लिफ्ट में तरुण तेजपाल ने दो बार उनका यौन उत्पीड़न किया। हाईकोर्ट के फैसले पर तेजपाल ने कहा,हम फैसले से बहुत निराश हैं। हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। कुछ लोग तहलका और राजनीतिक बदले की भावना से 13 सालों से मेरे पीछे पड़े हैं।

खास खबर अभिजीत दीपके गांव-शहरों में युवाओं से बात करेंगे

सीजेपी का नया अभियान.... शुरु करेगी 'क्या बोलती पब्लिक' कैंपेन

नई दिल्ली। एजेंसी

कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके सितंबर से देशभर में क्या बोलती पब्लिक अभियान शुरू करेंगे। दीपके ने गुरुवार को महाराष्ट्र के संभाजीनगर में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि हम गांव-शहर जाकर युवाओं से बात करेंगे और बेरोजगारी और महंगी शिक्षा होगी को मुद्दा बनाएंगे।

दीपके बोले- बेरोजगारी देश की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है और इसे देशव्यापी मुद्दा बनाया जाएगा। हम शिक्षा सुधारों पर काम करेंगे। शिक्षा को मुनाफा कमाने का जरिया बना दिया गया है, लेकिन हम इस व्यवस्था को बदलना चाहते हैं।

दीपके ने कहा- सीजेपी चुनावी राजनीतिक पार्टी नहीं बनेगी

अभिजीत दीपके ने कहा- सीजेपी कोई चुनावी राजनीतिक पार्टी नहीं बनेगी, बल्कि देश के लोकतांत्रिक संस्थानों और शासन में जवाबदेही तय करने के लिए एक मजबूत पब्लिक प्रेशर ग्रुप के रूप में काम करेगी। उन्होंने कहा कि शैक्षिक सुधार हमारी प्रमुख प्राथमिकता होगी; महंगी स्कूली शिक्षा समाप्त होनी चाहिए। अब सरकार तय करती है कि कौन वोट देगा, कौन नहीं। चुनाव आयोग की जवाबदेही तय करनी होगी, नहीं तो चुनाव में धांधली जारी रहेगी।

नीट पेपर लीक को लेकर दीपके और उनकी पार्टी ने जंतर-मंतर पर सीजेपी ने 20 जून से 25 जुलाई तक, लगातार 36 दिनों तक धरना दिया था। इस दौरान हजारों छात्र, अभिभावक और युवा आंदोलन में शामिल हुए। पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी प्रदर्शन में शामिल हुए और भूख हड़ताल पर बैठे।

कार्टून कॉर्नर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की जनोन्मुखी पहल

जनविश्वास अभियान शुरू होगा आज से

जन विश्वास अभियान यानि जनता से सीधा-संवाद और जुड़ाव, शुक्रवार से फील्ड में जाकर होगा शिकायतों और समस्याओं का समाधान

भोपाल।अजयभारत न्यूज

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का प्रदेश की साढ़े 8 करोड़ से अधिक आबादी के प्रति विश्वास के प्रतीक जन-विश्वास अभियान का शुभारंभ शुक्रवार 7 अगस्त 2026 से होगा। शासन और प्रशासन ने अभियान को सफल बनाने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। मंत्रालय से लेकर जिले तक के सभी अधिकारी अब से प्रत्येक शुक्रवार को दफ्तर छोड़कर फील्ड में जनमानस के सामने होंगे।जन-विश्वास अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में जाकर जनता से सीधा संवाद एवं जुड़ाव, शिकायतों एवं समस्याओं का शत-प्रतिशत निराकरण करना, फील्ड की वास्तविक स्थितियों का फीडबैक प्राप्त करना, प्रशासन के पर्यवेक्षण तंत्र को सुदृढ़ करना और प्रशासन की पारदर्शी और संवेदनशील छवि का निर्माण करना है। अभियान में प्रत्येक सप्ताह शुक्रवार के दिन संपूर्ण प्रदेश में अपरिहार्य स्थिति को छोड़कर किसी भी स्तर पर कोई बैठक आयोजित नहीं होगी। यह दिन केवल फील्ड भ्रमण को समर्पित रहेगा। भोपाल से लेकर संभाग और जिले तक सभी वरिष्ठ अधिकारी फील्ड भ्रमण पर रहेंगे और अभियान में मुख्यमंत्री, मंत्रीगण, शासन के वरिष्ठ अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि भी सम्मिलित होंगे। अभियान का प्रारंभ 7 अगस्त 2026 से होगा। जिला कलेक्टर एक सप्ताह पूर्व भ्रमण का क्षेत्र चिन्हित करेंगे और जन-प्रतिनिधियों को अवगत कराएंगे। साथ ही मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा।भ्रमण से एक सप्ताह पूर्व ही उस क्षेत्र के सी.एम. हेल्पलाइन, जन-सुनवाई और लोक सेवा गारंटी के लंबित प्रकरणों की समीक्षा, भ्रमण से पूर्व ही की जाएगी लंबित प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण किया जाएगा। निराकरण से शेष रहे प्रकरणों एवंभ्रमण के दौरान प्राप्त आवेदनों का मौके पर निराकरण किया जाएगा। अभियान के तहत जिला कलेक्टर, जिले के अधिकारियों के साथ फील्ड में दौरा करेंगे। दो प्रकार के जन-संवाद और उद्योग संवाद आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री के भ्रमण-क्षेत्र में ही जिले का समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। भ्रमण से पूर्व लंबित और भ्रमण के बाद प्राप्त आवेदनों की तुलना जांची परखी जाएगी। जिलों

एम.एस.एम.ई एवं कुटीर उद्योगों के उद्यमियों की समस्याओं का मौके पर निराकरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार जिलो में पहुँचेंगे, की परफॉरमेंस और मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के स्तर पर अभियान की नियमित समीक्षा की जायेगी।सम्पूर्ण अभियान सादगी और मितव्ययिता से संचालित होगा।

लंबित प्रकरणों का किया जाएगा शत-प्रतिशत निराकरण

सी.एम. हैल्पलाईन एवं जनसुनवाई में प्राप्त भ्रमण क्षेत्र की लंबित शिकायतों का शत-प्रतिशत निराकरण, लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत दर्ज भ्रमण क्षेत्र के लंबित प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण, अविवादित नामांतरण, सीमांकन एवं बंटवारा के लंबित प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण और न्यायालयीन आदेश होने के उपरांत भी राजस्व अभिलेखों में अमल नहीं होने संबंधी लंबित प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण किया जाएगा।सभी पात्र किसानों की फार्मर आई.डी.का निर्माण सुनिश्चित करना , सभी पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड का निर्माण सुनिश्चित करना, समग्र आई.डी. की ई-केवाईसी तथा आधार कार्ड निर्माण/अपडेशन के प्रकरणों का निराकरण और प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पात्र परिवारों को आवास उपलब्धता की समीक्षा की जाएगी।

खेती-किसानी से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे

क्षेत्र में खाद-बीज एवं अन्य आदानों की उपलब्धता की समीक्षा की जायेगी। स्थानीय राशन की दुकान का निरीक्षण एवं आम जनता से फीडबैक, विभिन्न सामाजिक परिसंपत्तियों जैसे सड़क, तालाब, अमृत सरोवर, बांध, जलजीवन मिशन अंतर्गत निर्मित संरचनाएँ, भवन, खेत, फसल आदि की स्थिति का निरीक्षण, शासकीय संस्थाओं जैसे आई.टी.आई, मेडिकल कॉलेज, प्राथमिक सहकारी समिति, तहसील, कृषि उपज मण्डी, मदिरा दुकान, पुलिस थाना, लोक सेवा केन्द्र, शासकीय देवस्थान, औ?द्योगिक क्षेत्र आदि का निरीक्षण किया जायेगा।

संवाद, समाधान, संवेदनशीलता और सादगी

खाद-बीज की दुकान एवं एजेंसी, गैस गोदाम, पेट्रोल पम्प, विस्फोटक पटाखा लायसेंस धारियों की दुकानें गोदाम, अधिकृत शस्त्र विक्रेताओं की डीलरशिप, निजी विद्यालय आदि का निरीक्षण होगा। क्षेत्र में कानून व्यवस्था की स्थिति एवं अपराध नियंत्रण के विषय में समीक्षा होगी। विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन, दिव्यांग पेंशन आदि का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों को प्राप्त हो रहा है अथवा नहीं, इसकी समीक्षा और अन्य ऐसी स्थानीय प्रमुख बढ़ी समस्यायें, शिकायतें चुनौतियां, जिनको लेकर स्थानीय जनसमुदाय प्रशासन से शीघ्र निराकरण की अपेक्षा करता है।

निगमायुक्त ने स्वच्छता, गौशाला एवं सीएनजी प्लांट की व्यवस्थाओं की समीक्षा

भोपाल।अजयभारत न्यूज

स्वच्छता में लापरवाही करने वाले कचरा संग्रहण वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। यह निर्देश नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय ने स्वच्छता, गौशाला एवं सीएनजी प्लांट से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में अपर आयुक्त टी प्रतीक राव, उपायुक्त मुकेश बंसल, सहायक नोडल शैलेन्द्र सक्सेना, भवन अधिकारी वीरेन्द्र शाक्य, सहायक यंत्री राजीव सिंघल, अजय शाक्यवार, अजय शर्मा मुख्य स्वच्छता अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। निगमायुक्त के कक्ष में आयोजित बैठक में निगमायुक्त श्री संघ प्रिय ने जीपीएस आधारित मॉनिटरिंग के माध्यम से कचरा संग्रहण वाहनों की गतिविधियों का सत्यापन करने तथा एफसीटीएस प्लांट पर पहुंचने वाले कचरे की मात्रा का तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही जिन कचरा संग्रहण वाहनों द्वारा पिछले 10 से 12 दिनों में कार्य में लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब किया गया है, उनके चालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से प्रतिदिन नियमित रूप से नाइट स्वीपिंग अभियान संचालित करने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में संबंधित अधिकारियों से सीएनजी प्लांट के संचालन, सीएनजी गैस उत्पादन एवं उससे जुड़े विभिन्न कार्यों की विस्तृत समीक्षा की तथा प्रगति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कार्यों में गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गौशाला की व्यवस्थाओं की समीक्षा के दौरान निगमायुक्त ने गौवंश के बेहतर उपचार एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए संबंधित विभाग को आवश्यक पत्राचार करने तथा पशुओं के नियमित चिकित्सकीय परीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

हमारा चरित्र ही हमारा व्यवहार है:तृप्ति बेरे

›पीजीवी उमा. वि. में गुरू-पूर्णिमा का पर्व मनाया गया

भोपाल।अजयभारत न्यूज

गुरूवार को पीजीवी उमा. वि. में गुरू-पूर्णिमा का पावन पर्व अत्यंत उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया।कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ माँ सरस्वती जी के पूजन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। तत्पश्चात विद्यालय के विद्यार्थियों ने गुरू महिमा पर आधारित मधुर भजन एवं प्रेरणादायी भाषण प्रस्तुत किए।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बसंत कुंटे एवं विशिष्ट अतिथि व मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमती तृप्ति बेरे उपस्थित रहे। श्रीमती तृप्ति बेरे ने अपने सारगर्भित संबोधन में भगवद्गीता के 18 अध्यायों और 700 श्लोकों का उल्लेख करते हुये भारतीय गुरू-शिष्य परंपरा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ÷हमारा चरित्र ही हमारा व्यवहार है और शिक्षा जीवन भर चलने वाली प्रक्रिया है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद जी, शिकागो सम्मेलन, श्रीमद्भागवत पुराण, महर्षि वेदव्यास तथा भारतीय शिक्षण मंडल के उद्देश्यों के बारे में बताते हुये बच्चों को वेद पढ़ने और भारतीय संस्कृति से जुड़ने की प्रेरणा दी।

पहचान ...चरित्र और व्यवहार से होती है

बसंत कुंटे ने उपस्थित विद्यार्थियों का मार्गदर्शित करते हुए कहा कि गुरुओं द्वारा दी गई शिक्षा को केवल ग्रहण ही नहीं करना चाहिए बल्कि उसे अपने व्यावहारिक जीवन में उतारकर समाज-उपयोगी एवं देश कल्याण के कार्यों में लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मनुष्य की वास्तविक पहचान और सुंदरता उसके बाहरी रूप से नहीं, बल्कि उसके अच्छे कर्मों, चरित्र और व्यवहार से होती है।

यह रहे मौजूद: कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती मीनाक्षी सैनी द्वारा किया गया तथा आजिंक्य पागे द्वारा अतिथि परिचय दिया गया अंत में श्रीमती नीलम श्रीवास्तव ने उपस्थित अतिथियों एवं सहभागियों का आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य नरेश कुमार शर्मा , समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएँ, स्टाफ, साथ-सदस्य एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाया।

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 01 वार्ड क्रं 04, स्थान चन्द्र नगर ग्वा0** मे स्थित है जो कि **महेश राठौर, राकेश राठौर /भरोसीलाल राठौर** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं 1003967557** पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **1350 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्र क्रं एमपी142602025ए1183302 दिनांक 18.03.2025** द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र बहौडापुर, **क्षे.क्र 01,** पर दिनांक 06.08.2026 को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं 60/2010/74739/74944** प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-
कामेश,शैलेन्द्र सिंह धाकड/रामप्रकाश धाकड
पता-चन्द्र नगर ग्वा0(म.प्र.)
मो0-9713514098
विज्ञप्ति जारी दिनांक-06.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 22 वार्ड क्रं 61, स्थान प्लॉट 35 का भाग, बडागांव ग्वा0** मे स्थित है जो कि **दीपक यादव/प्रदीप यादव** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं 9000306976** पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **800 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्र क्रं एमपी142592024ए11122148 दिनांक 10.09.2024** द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र खुरैरी, **क्षे.क्र 22,** पर दिनांक को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं** प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-
दिनेश कुमार सैनी/रामगोपाल सैनी
पता-बडागांव ग्वा0(म.प्र.),मो0-8085627330
विज्ञप्ति जारी दिनांक-06.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 22 वार्ड क्रं 61, स्थान फ्लैट क्रं सी-205, जेतल विहार फेस-1,रमौआ ग्वा0** मे स्थित है जो कि **जैतल कंस्ट्रक्सन प्रा.लि द्वारा अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता रमेश चन्द्र गुप्ता** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं 9000306980** पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **510 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्र क्रं एमपी142592024ए1299055 दिनांक 03.05.2019** द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र खुरैरी, **क्षे.क्र 22,** पर दिनांक को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं** प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-
हरीओम शर्मा/स्व.बालकिशन शर्मा
पता-रमौआ ग्वा0(म.प्र.),मो0-9893375538
विज्ञप्ति जारी दिनांक-06.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 22 वार्ड क्रं 61, स्थान प्लाट क्रं 03,ब्लॉक-ई, बलरामकुंज गुलाबपुरी बडागांव ग्वा0** मे स्थित है जो कि **विमल कुमार/हरीशचन्द्र** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं 9000306983** पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **1000 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्र क्रं आर-18032600466228 दिनांक 19.03.2026** द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र खुरैरी, **क्षे.क्र 22,** पर दिनांक को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं** प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-
संजू राणा/मान सिंह राणा
पता-गुलाबपुरी बडागांव ग्वा0(म.प्र.)
विज्ञप्ति जारी दिनांक-06.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 22 वार्ड क्रं 61, स्थान प्लॉट क्रं 18, खुरैरी ग्वा0** मे स्थित है जो कि **गोपालदास गोयल/लक्ष्मण दास गोयल** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं 9000307018** पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **1000 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्र क्रं एमपी142592020ए1012533 दिनांक 06.01.2020** द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र खुरैरी, **क्षे.क्र 22,** पर दिनांक को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं** प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-
नीरज कुमार/भागीरथ सिंह
पता- खुरैरी ग्वा0(म.प्र.),मो0-8077518791
विज्ञप्ति जारी दिनांक-06.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 15 वार्ड क्रं 43, स्थान जालिम सिंह की गोठ,टोपी बाजार लश्कर ग्वा0** मे स्थित है जो कि **सरोज/दिनेश कुमार अग्रवाल,दिनेश कुमार अग्रवाल/नारायण दास** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं 9000014958** पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **165 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्र क्रं आर-28072501097181 दिनांक 29.07.2025** द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र गांधी मार्केट, **क्षे.क्र 15,** पर दिनांक को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं** प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-
प्रियंका वर्मा/चन्द्र मोहन वर्मा
पता-जालिम सिंह की गोठ, टोपी बाजार लश्कर ग्वा0(म.प्र.),मो0-7987512906
विज्ञप्ति जारी दिनांक-06.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 15 वार्ड क्रं 34, स्थान जरी पटका 3, फालका बाजार,लश्कर ग्वा0** मे स्थित है जो कि **राजेश बजाज/सुशील कुमार बजाज,अंजू /अर्जुन कपूर,मंजू/पंकज कपूर** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं 9000261127** पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **518 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्र क्रं आर-24072601286036 दिनांक 28.07.2026** द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र गांधी मार्केट, **क्षे.क्र 15,** पर दिनांक को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं** प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-
राकिम खान/रफीक खान
पता-जरी पटका लश्कर ग्वा0 (म.प्र.)
विज्ञप्ति जारी दिनांक-06.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 15 वार्ड क्रं 34, स्थान भारत टॉकीज रोड, शिंदे की छावनी,लश्कर ग्वा0** मे स्थित है जो कि **मुकेश शिवहरे/मूलचंद** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं 1000108954** पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **168 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्र क्रं आर-28072601308143 दिनांक 28.07.2026** द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र गांधी मार्केट, **क्षे.क्र 15,** पर दिनांक को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं** प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-
बलप्रीत सिंह/मलविंदर सिंह
पता-शिंदे की छावनी लश्कर ग्वा0 (म.प्र.)
विज्ञप्ति जारी दिनांक-06.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 15 वार्ड क्रं 34,भवन क्रं 720,721, स्थान शिंदे की छावनी ग्वा0** मे स्थित है जो कि **गायत्री गुप्ता, दीप्ति गुप्ता, रचना गुप्ता, वरूण गुप्ता/स्व. बसंत गुप्ता** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं 1000108030, 1000108033** पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **1760 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्र** द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र गाधी मार्केट, **क्षे.क्र 15,** पर दिनांक को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं** प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-
विवेक सिंह धाकड/महाराज सिंह धाकड
पता-शिंदे की छावनी ग्वा0(म.प्र.),
मो0-9303155972
विज्ञप्ति जारी दिनांक-06.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 03 वार्ड क्रं 07, भवन क्रं 1004, स्थान सागरताल रोड ग्वा0** मे स्थित है जो कि **हरविन्दर सिंह/सरदार बलवन्त सिंह** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं 1000229173** पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **2085 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्र /उत्तराधिकार/ मृत्युउपरान्त** द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र लूटपुरा, **क्षे.क्र 03,** पर दिनांक को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं** प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-
श्रीमती राजेन्द्र कौर, प्रभजीत सिंह चुघ/स्व. हरविन्दर सिंह
पता-सागरताल रोड ग्वा0(म.प्र.),
विज्ञप्ति जारी दिनांक-06.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 03 वार्ड क्रं 07,स्थान सागरताल रोड ग्वा0** मे स्थित है जो कि **हरविन्दर सिंह/सरदार बलवन्त सिंह** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं 1000229170** पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **8040 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्र /उत्तराधिकार/ मृत्युउपरान्त** द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र लूटपुरा, **क्षे.क्र 03,** पर दिनांक को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं** प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-
श्रीमती राजेन्द्र कौर, प्रभजीत सिंह चुघ/स्व. हरविन्दर सिंह
पता-सागरताल रोड ग्वा0(म.प्र.),
विज्ञप्ति जारी दिनांक-06.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 18 वार्ड क्रं 49,भवन क्रं 2082 स्थान डी-ब्लॉक, समाधिया कॉलोनी कोटा लश्कर ग्वा0** मे स्थित है जो कि **खुशीराम गुलवानी/स्व. जीवनदास गुलवानी** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं 1000301022**पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **750 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्र /वसीयत** द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र गोरखी पानी की टंकी, **क्षे.क्र18,** पर दिनांक 06.08.2026 को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं 83/2010/19034/41330** प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-
श्रीमती वर्षा गुलवानी/स्व. दिलीप, श्रीमती प्रिया गुलवानी/ विजय
पता-डी-ब्लॉक समाधिया कॉलोनी ग्वा0 (म.प्र.),
विज्ञप्ति जारी दिनांक-06.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 18 वार्ड क्रं 49,भवन क्रं 2510 स्थान डी-ब्लॉक, समाधिया कॉलोनी कोटा लश्कर ग्वा0** मे स्थित है जो कि **खुशीराम गुलवानी/स्व. जीवनदास गुलवानी** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं 1000167629** पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **750 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्र /वसीयत** द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र गोरखी पानी की टंकी, **क्षे.क्र18,** पर दिनांक 06.08.2026 को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं 83/2010/19033/41329** प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-
श्रीमती वर्षा गुलवानी/स्व. दिलीप, श्रीमती प्रिया गुलवानी/ विजय
पता-डी-ब्लॉक समाधिया कॉलोनी ग्वा0 (म.प्र.),
विज्ञप्ति जारी दिनांक-06.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 24 वार्ड क्रं 65, स्थान वीरपुर ग्वा0** मे स्थित है जो कि **द्वारका प्रसाद/बाली सिंह कुशवाह** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं 9000305304** पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **630वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्र क्रं ई-493594 दिनांक 22.03.2013** द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र अजयपुर, **क्षे.क्र 24,** पर दिनांक **06.08.2026** को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं** प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-
सपना वाधवानी/राजकुमार वाधवानी
पता-वीरपुर ग्वा0 (म.प्र.),मो0-8523694251
विज्ञप्ति जारी दिनांक-06.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 04 वार्ड क्रं 14, स्थान नूरगंज सेवा नगर ग्वा0** मे स्थित है जो कि **पार्वती कौर/जसपाल सिंह, जसवंत कौर/कर्नेल सिंह** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं 1002746771** पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **468.1 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्र क्रं एमपी142602019ए1643729 दिनांक 12.09.2019 हकत्याग** द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र तानसेन रोड, **क्षे.क्र 04,** पर दिनांक को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं PT81310** प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-
जितेन्द्र कौर/हरी सिंह
पता-नूरगंज सेवा नगर ग्वा0 (म.प्र.),
मो0-9893587738
विज्ञप्ति जारी दिनांक-06.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 02 वार्ड क्रं 06, स्थान 509, लधेडी ग्वा0** मे स्थित है जो कि **नारायण दास प्रजापति/बाटोलाल प्रजापति** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं 1000082618** पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **1089 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्र/वसीयत** द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र **नौमहला, क्षे.क्र 02,** पर दिनांक **06.08.2026** को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं 61/2010/58528/58728** प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-
वीरेन्द्र प्रजापति/स्व. नारायण दास प्रजापति
पता-लधेडी ग्वा0(म.प्र.),मो0-9977779990
विज्ञप्ति जारी दिनांक-06.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 11 वार्ड क्रं 30, स्थान 54, बलबंत नगर ग्वा0** मे स्थित है जो कि **अविनाश सिंह तोमर / फूल सिंह तोमर** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं 1000253791** पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **1835 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्र/वसीयत/मत्युउपरान्त** द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र चम्बल कॉलोनी , **क्षे.क्र 11,** पर दिनांक **13.07.2026** को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं 26-010100013873** प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-
नीलम तोमर , रोहितांश सिंह तोमर / अविनाश सिंह तोमर
पता- 54,बलबंत नगर ग्वा0(म.प्र.),
मो0-971347055
विज्ञप्ति जारी दिनांक-06.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 14 वार्ड क्रं 60, स्थान शांति विहार ग्राम मेहरा ग्वा0** मे स्थित है जो कि **दया माहेश्वरी/मदन मोहन माहेश्वरी** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं 1000309052** पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **1500 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्र/वसीयत/मृत्युउपरान्त** द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र **कैलाश नगर , क्षे.क्र 14,** पर दिनांक **06.08.2026** को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं.....** प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-
मदन मोहन माहेश्वरी / प्यारे लाल माहेश्वरी अमन, ललित, तरुण / मदन मोहन माहेश्वरी
पता-02,शांति विहार ग्राम मेहरा ग्वा0(म.प्र.),
मो0-971347055
विज्ञप्ति जारी दिनांक-06.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 08 वार्ड क्रं 18, स्थान औघोगिक क्षेत्र ग्वा0** मे स्थित है जो कि **के.पी इन्डस्ट्रीज प्रोडक्ट प्रो. राहुल रोहिरा** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं 100221046** पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **9120 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड पंजीयन क्रं एमपी142592017ए1645424 दिनांक 20.11.2017 वसीयत/ मृत्युउपरान्त/ लीज** द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र **डी.डी नगर , क्षे.क्र 08,** पर दिनांक **06.08.2026** को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं.....** प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-
के.पी फूड प्रोडक्टस यूनिट D- II श्री प्रकाश रोहरा
पता-औघोगिक क्षेत्र ग्वा0(म.प्र.)
विज्ञप्ति जारी दिनांक-06.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 22 वार्ड क्रं 61, स्थान फ्लैट 104, ऑरेंज वुड्स सिरौल ग्वा0** मे स्थित है जो कि **नरेन्द्र खंडेलवाल/बी.एम खंडेलवाल** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं 9000306970** पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **853 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्र क्रं आर-20082501220567 दिनांक 21.08.2025** द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र खुरैरी, **क्षे.क्र 22,** पर दिनांक को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं** प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-
नीतू बिथरिया/राजेन्द्र पाराशर
पता-ऑरेंज वुड्स सिरौल ग्वा0(म.प्र.)
मो0-9753853480
विज्ञप्ति जारी दिनांक-06.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 22 वार्ड क्रं 61, स्थान फ्लैट क्रं ए-II, एमरॉल्ड ग्रीन खुरैरी ग्वा0** मे स्थित है जो कि **नीरज कुमार शर्मा/स्व. श्री राम स्वरूप शर्मा,एच.जी इन्फ्राटेक प्रा.लि द्वारा अधिकृत धीरज प्रकाश अग्रवाल** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं 9000306961** पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **603 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्र क्रं एमपी142592022ए1365859 दिनांक 31.03.2022** द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र खुरैरी, **क्षे.क्र 22,** पर दिनांक को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं** प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-
प्रेमलता तोमर/हरिज्ञान सिंह
पता-एमरॉल्ड ग्रीन खुरैरी ग्वा0(म.प्र.)
मो0-8602157841
विज्ञप्ति जारी दिनांक-06.08.2026

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान का ग्वालियर में शुभारंभ

नशामुक्त समाज के निर्माण में ब्रह्माकुमारीज़ की भूमिका सराहनीय : डिप्टी नारकोटिक्स कमिश्नर

जनभागीदारी और आध्यात्मिक जागरूकता से ही बनेगा नशामुक्त भारत: मंत्री कुशवाह

ग्वालियर। अजयभारत न्यूज

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के मेडिकल विंग द्वारा देशव्यापी 10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान का शुभारंभ गुरुवार को ग्वालियर के माधौगंज स्थित प्रभु उपहार भवन में किया गया। यह अभियान 6 अगस्त से 20 अगस्त तक पूरे देश में संचालित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य जन-जन को नशामुक्ति का संकल्प दिलाकर स्वस्थ, जागरूक एवं विकसित भारत के निर्माण में जनभागीदारी सुनिश्चित करना है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान, भारत सरकार के सामाजिक न्याय विभाग और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के साथ अनुबंध के तहत विगत तीन वर्षों से नशा मुक्त भारत अभियान चल रहा है। उसी अभियान को आगे बढ़ाते हुए यह 15 दिवसीय पखवाड़ा चलाया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं 10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान के पोस्टर का अनावरण कर किया गया।प्रारंभ में बीके प्रहलाद ने अभियान की रूपरेखा एवं उद्देश्य बताते हुए कहा कि संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका परम श्रद्धेय दादी प्रकाशमणि जी की पुण्य स्मृति में यह राष्ट्रव्यापी अभियान 6 से 20 अगस्त तक आयोजित किया जा रहा है। अपने संबोधन में मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा स्वयंसेवकों एवं समाज के सहयोग से चलाया जा रहा 10 करोड़ नशामुक्ति संकल्प महाअभियान देश में सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति में भी बाधा बनता है। इसलिए प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह नशामुक्त भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि मानव जीवन अत्यंत दुर्लभ और अमूल्य है। इसे नशे जैसी बुराइयों में नष्ट करने के बजाय समाज और राष्ट्र के हित में लगाना चाहिए। किसी भी बड़े परिवर्तन की शुरुआत सकारात्मक सोच और दृढ़ संकल्प से होती है। जब व्यक्ति के जीवन में आध्यात्मिकता, श्रेष्ठ विचार और ईश्वरीय मार्गदर्शन का समावेश होता है, तब वह स्वयं व्यसनों से मुक्त होकर दूसरों के लिए प्रेरणा बनता है। श्री कुशवाह ने कहा कि 10 करोड़ लोगों को नशामुक्ति का संकल्प दिलाने का लक्ष्य केवल एक अभियान नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का महायज्ञ है। उन्होंने विशेष रूप से ब्रह्माकुमारीज़ की बहनों एवं मातृशक्ति की सराहना करते हुए कहा कि यदि महिलाएँ जागरूकता का संकल्प लें, तो वे परिवार और समाज से नशे की बुराई को जड़ से समाप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डिप्टी नारकोटिक्स कमिश्नर ब्रजेन्द्र चौधरी ने कहा कि नशामुक्ति अभियान में समाज की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा नशामुक्ति के क्षेत्र में किए जा रहे जनजागरण एवं जन-शिक्षा के प्रयासों की सराहना करते हुए संस्थान का आभार व्यक्त किया।

इन्होने भी रखे विचार

कार्यक्रम में स्थानीय पार्षद अनिल साँखाला एवं अमर कुटे ने सभी के सामूहिक प्रयासों से भारत को नशामुक्त बनाने की बात कही और सामाजिक क्षेत्र में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए संस्थान को साधुवाद दिया।कार्यक्रम के अंत में ब्रह्माकुमारीज़ केंद्र प्रमुख राजयोगिनी बीके आदर्श दीदी ने अपने आशीर्वचन में कहा कि वास्तविक नशामुक्ति का आधार आत्मजागृति और ईश्वर से जुड़ाव है।

ये रहे मंचासीन

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नारायण सिंह कुशवाह, मंत्री, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, मध्यप्रदेश शासन थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्रजेन्द्र चौधरी, डिप्टी नारकोटिक्स कमिश्नर, सेंट्रल ब्यूरो ऑफ नारकोटिक्स ने की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में स्थानीय पार्षद अनिल साँखाला, भाजपा मंडल अध्यक्ष अमर कुटे, ब्रह्माकुमारीज केन्द्र प्रमुख राजयोगिनी बीके आदर्श दीदी,कार्यक्रम संयोजक एवं राजयोग ध्यान प्रशिक्षक बीके प्रहलाद उपस्थित थे।

यह रहे मौजूद

इस अवसर पर असिस्टेंट कमिश्नर नारकोटिक्स एस के वर्मा, पूर्व वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी श्री एम.एस. यादव एवं सामाजिक सुरक्षा अधिकारी सुश्री पूर्वी अग्रवाल, हिमांशु सहित अनेकानेक अधिकारी, गणमान्य नागरिक और सैकड़ों की संख्या मे संस्था से जुड़े श्रद्धालु उपस्थित थे।

ऑस्टियोपोरोसिस से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका जागरूकता-डीन डॉ. धाकड़

प्रारंभिक लक्षणों को नजरअंदाज न करें: डॉ. बाजोरिया

ग्वालियर। अजयभारत न्यूज

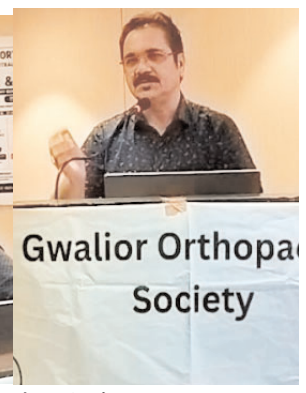

ऑस्टियोपोरोसिस जैसी गंभीर बीमारी से बचाव के लिए समाज में जागरूकता बढ़ाना सबसे जरूरी है। यदि मरीज शुरुआती चरण में ही उचित खानपान, नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाए तो ऑपरेशन की नौबत आने से बचा जा सकता है। यह बात जीआर मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. आरकेएस धाकड़ ने ग्वालियर आर्थोपेडिक सोसायटी द्वारा बोन एंड ज्वाइंट वीक के अंतर्गत आयोजित सीएमई (कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन) में मुख्य वक्ता के रूप में कही। शहर के एक निजी होटल में आयोजित कार्यशाला में डॉ. धाकड़ ने कहा कि अधिकांश मरीज तीसरी या चौथी स्टेज में डॉक्टर के पास पहुंचते हैं। ऐसे में उपचार के सीमित विकल्प बचते हैं और कई मामलों में ऑपरेशन की सलाह देना मजबूरी बन जाती है। उन्होंने कहा कि समय रहते बीमारी की पहचान और जागरूकता ही इसके प्रभावी नियंत्रण का सबसे बड़ा माध्यम है। ग्वालियर आर्थोपेडिक सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. आरएस बाजोरिया ने कहा कि ऑस्टियोपोरोसिस के शुरुआती लक्षणों में थोड़ी दूरी चलने पर दर्द होना, काम करते समय जल्दी थकान महसूस होना तथा हड्डियों और जोड़ों में लगातार दर्द बने रहना शामिल हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि शुरुआती अवस्था में उचित खानपान, नियमित व्यायाम और जीवनशैली में बदलाव से बीमारी को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

यह रहे उपस्थित

कार्यक्रम का संचालन सोसायटी के सचिव डॉ. आशीष दुबे ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन उपाध्यक्ष प्रो. डॉ. सुरेंद्र सिंह यादव ने किया। सीएमई में पूर्व आईएमए अध्यक्ष डॉ. प्रशांत लहरिया, डॉ. अनुपम गुप्ता, डॉ. देवेश बादिल, डॉ. मनीष बैरागी, डॉ. राजकुमार गर्ग सहित शहर के अनेक अस्थि रोग विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

ग्वालियर की हिमांशी बनीं मिस इंडिया एम्प्रेस ऑफ द नेशन

राष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता में जीता खिताब, जीवाजी क्लब और श्रीजी इवेंट्स ने किया सम्मान

ग्वालियर। अजयभारत न्यूज

शहर की बेटी और मॉडल हिमांशी शर्मा ने राष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता मिस इंडिया एम्प्रेस ऑफ द नेशन 2026 का खिताब जीतकर ग्वालियर का गौरव बढ़ाया है। पुणे में आयोजित प्रतियोगिता के ग्रैंड फिनाले में हिमांशी ने अपने आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और शानदार प्रदर्शन के दम पर विजेता का ताज हासिल किया। चार दिवसीय इस प्रतियोगिता में देशभर से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के शुरुआती तीन दिनों में रूमिंग, पर्सनैलिटी डेवलपमेंट, रैंप वॉक और विभिन्न मूल्यांकन सत्र आयोजित किए गए। फिनाले में हिमांशी ने निर्णायकों को प्रभावित करते हुए खिताब अपने नाम किया। हिमांशी की इस उपलब्धि पर जीवाजी क्लब और श्रीजी इवेंट्स एंड प्लानर्स की ओर से सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान जीवाजी क्लब अध्यक्ष राजेंद्र सेठ, उपाध्यक्ष अमित गुप्ता, सचिव संजय वर्मा, संयुक्त सचिव केतन करन अग्रवाल, कोषाध्यक्ष संजय नीखरा एवं श्रीजी इवेंट्स एंड प्लानर्स के संस्थापक नितिन कुमार अग्रवाल सहित टीम मिस ट्विकल सेन ने हिमांशी को सम्मानित किया। श्रीजी इवेंट्स एंड प्लानर्स के संस्थापक नितिन कुमार अग्रवाल ने कहा कि हिमांशी की सफलता ग्वालियर की युवा प्रतिभाओं के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि मेहनत, समर्पण और आत्मविश्वास के साथ हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

हिमांशी ने शहर को गौरवान्वित किया

जीवाजी क्लब पदाधिकारियों ने कहा कि हिमांशी ने राष्ट्रीय मंच पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर शहर को गौरवान्वित किया है। उनकी उपलब्धि युवाओं को अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करेगी। हिमांशी शर्मा ने अपनी सफलता का श्रेय परिवार, मार्गदर्शकों और शुभचिंतकों को देते हुए कहा कि यह जीत उन सभी लड़कियों को समर्पित है, जो बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने का साहस रखती हैं। हिमांशी की इस उपलब्धि के साथ वह ग्वालियर की पहली मॉडल बन गई हैं, जिन्होंने मिस इंडिया एम्प्रेस ऑफ द नेशन का राष्ट्रीय खिताब अपने नाम किया है।

रोहित शर्मा बने भाजपा खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक

ग्वालियर। अजयभारत न्यूज

भारतीय जनता पार्टी खेल प्रकोष्ठ में ग्वालियर के रोहित शर्मा को प्रदेश सह संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति से खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक मानसिंह यादव ने प्रदेश पदाधिकारियों की घोषणा की है, जिसमें रोहित शर्मा का नाम शामिल है। रोहित शर्मा इससे पहले भाजपा युवा मोर्चा में दो बार प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रह चुके हैं। इसके अलावा वे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में नगर अध्यक्ष एवं महानगर सह मंत्री के दायित्व का भी निर्वहन कर चुके हैं। रोहित शर्मा की नियुक्ति पर भाजपा जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों एवं कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि उनके अनुभव और सक्रियता से खेल प्रकोष्ठ को संगठनात्मक मजबूती मिलेगी।

माता-पिता की खुशी ही सही दिशा में बढ़ने का सबसे बड़ा संकेत: प्रो. सिंह

> जीवाजी विश्वविद्यालय में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं को यूजीसी के एंटी रैगिंग नियमों और स्वस्थ डिजिटल आदतों की दी गई जानकारी

ग्वालियर। अजयभारत न्यूज

जीवाजी विश्वविद्यालय की ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान अध्ययनशाला में गुरुवार को दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो. एसके सिंह रहे। अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. हेमंत शर्मा ने की, जबकि प्रो. जेएन गौतम विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचासीन रहे। इस अवसर पर नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए एंटी रैगिंग एवं नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि प्रो. एसके सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सोशल मीडिया का दुरुपयोग या उसके प्रति लापरवाही भविष्य में नौकरी, वीजा और अन्य महत्वपूर्ण अवसरों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। आज अधिकांश संस्थान और कंपनियां अभ्यर्थियों की सोशल मीडिया प्रोफाइल भी देखती हैं, इसलिए इसका उपयोग हमेशा जिम्मेदारी और सावधानी के साथ करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से उनकी नींद की गुणवत्ता के बारे में सवाल किया। 31 छात्र-छात्राओं में से केवल दो ने ही संतोषजनक नींद होने की बात कही। उन्होंने इसे चिंताजनक बताते हुए कहा कि मोबाइल का अत्यधिक उपयोग गुणवत्तापूर्ण नींद में सबसे बड़ी बाधा बन रहा है। स्वस्थ दिनचर्या और डिजिटल अनुशासन अपनाकर ही इसके दुष्प्रभावों से बचा जा सकता है।

संकेत समझिए...

प्रो. सिंह ने कहा कि यदि आपके माता-पिता आपसे खुश हैं, तो यह इस बात का संकेत है कि आप सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को रैगिंग से संबंधित यूजीसी नियमों की जानकारी देते हुए इसके कानूनी और सामाजिक दुष्परिणामों से अवगत कराया। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों को रैगिंग निषेध की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. हेमंत शर्मा, प्रो. जेएन गौतम सहित विभाग के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रदेश के मुख्य सचिव से कैट मध्यप्रदेश अध्यक्ष

भूपेन्द्र जैन एवं प्रतिनिधिमंडल ने भेंट की

ग्वालियर। अजयभारत न्यूज

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स कैट मध्यप्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन के नेतृत्व में कैट मध्यप्रदेश का प्रतिनिधिमंडल मध्यप्रदेश के मुख्य सचव अशोक बर्णवाल से वल्लभ भवन मंत्रालय में मिला। इस अवसर पर श्री बर्णवाल ने कहा कि व्यापारी को उद्यमी बनाये। एमएसएमई के क्षेत्र में केन्द्र-राज्य शासन की योजनाओं का लाभ उठाये एवं छोटे और कम कीमत वाले उद्योग लगाकर भारतीय उत्पाद बनाये एवं एमएसएमई के क्षेत्र में काम करें। इस अवसर पर कैट प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय प्यापार महोत्सव 2026 जो कि 12 से 15 अगस्त तक नई दिल्ली में आयोजित हो रहा है। उसमें मुख्य सचिव को आमंत्रित किया एवं कैट का आमंत्रण पत्र भेंट किया। इस अवसर पर कैट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन जैन शिवपुरी, सुनील जैन 501 भेपाल, प्रदेश मीडिया प्रभारी धर्मेन्द्र शर्मा भोपाल, प्रदेश उपाध्यक्ष संदीप गोदा भेपाल, ग्वालियर के मीडिया प्रभारी हिमांशु छापड़िया उपास्थित थे। कैट प्रतिनिधिमंडल शीघ्र ही देश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मिलकर उन्हें भारतीय व्यापार महोत्सव में आमंत्रित करेगा।

श्री महारुद्र मंडल विद्यालय परिसर में संपन्न हुआ वृक्षारोपण

ग्वालियर। अजयभारत न्यूज

पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प के साथ श्री महारुद्र मंडल एवं अभिनव विद्या मंदिर विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 8 एवं 9 के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरस्वती शिशु मंदिर के प्राचार्य मनोज तिवारी रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को वृक्षों के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी देखभाल का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने बच्चों को प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूक रहने और हरियाली बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर नगर निगम के पार्क विभाग का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों ने पौधों की नियमित देखभाल करने तथा ÷हरित ग्वालियर, स्वच्छ ग्वालियर÷ के संकल्प के साथ पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

इनकी रही मौजूदगी: कार्यक्रम में समिति के सह सचिव विष्णु उमडेकर, कोषाध्यक्ष सुनील मुजुमदार, पूर्व पार्षद धर्मेन्द्र सिंह कुशवाह, सुरेश चंद्र वर्मा, नवनीत ढमढेरे, महारुद्र मंडल विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती पूनम शर्मा, अभिनव विद्या मंदिर के प्राचार्य प्रदीप शूरकर, विद्यालय परिवार के शिक्षक-शिक्षिकाएँ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

खास खबर -27वें बलिदान दिवस पर हुरावली तिराहे पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

कारगिल शहीद नरेन्द्र सिंह राणा को याद किया

ग्वालियर। अजयभारत न्यूज

गुरूवार को हुरावली तिराहा स्थित कारगिल शहीद नरेन्द्र सिंह राणा प्रतिमा स्थल (पेट्रोल पंप के सामने, मुरार) पर अमर शहीद सूबेदार नरेन्द्र सिंह राणा की 27वीं पुण्यतिथि (बलिदान दिवस) के अवसर पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन श्रद्धा एवं गरिमा के साथ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल द्वारा की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में ग्वालियर पूर्व के विधायक डॉ. सतीश सिकरवार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में साहब सिंह गुर्जर (विधायक, ग्वालियर ग्रामीण),कर्नल नरेन्द्र तोमर (जिला सैनिक कल्याण बोर्ड अधिकारी, ग्वालियर), सौदान सिंह तोमर (जांबाज सैनिक संगठन अध्यक्ष, ग्वालियर), बेताल सिंह गुर्जर कांग्रेस उपाध्यक्ष , बंटी राणा (मंडल उपाध्यक्ष भाजपा), पंचम भदोरिया (कांग्रेस मंडल उपाध्यक्ष),केदार बरहदैया (पार्षद, वार्ड 60), बृजेश श्रीवास (पार्षद, वार्ड 21), हेमन्त शर्मा (प्रख्यात कवि), अजमेर सिंह राणा (वरिष्ठ नेता, जाट समाज), मोनू राणा (अध्यक्ष, जाट समाज छात्रावास), अजय राणा (जाट समाज अध्यक्ष)सहित समस्त क्षेत्रवासी एवं नगरवासी काफी संख्या में उपस्थित रहे।

हेमंत शर्मा का कविता पाठ हुआ

सभी अतिथियों और नागरिकों ने शहीद सूबेदार नरेन्द्र सिंह राणा जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा देश के लिए दिए गए उनके सर्वोच्च बलिदान को याद किया। साथ-साथ ही हेमंत शर्मा द्वारा अपनी कविता के माध्यम से भारत की अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जांबाज सैनिक संगठन ग्वालियर द्वारा कारगिल सहित नरेंद्र सिंह राणा के परिवार के सदस्यों को स्मृति चिन्ह बैठकर सम्मानित किया गया।श्रद्धांजलि सभा के समापन के पश्चात भंडारे एवं प्रसादी वितरण का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी उपस्थित जनों ने प्रसादी ग्रहण की।

ग्वालियर AI स्टार्टअप इम्पैक्ट समिट का आयोजन 9 को

ग्वालियर। अजयभारत न्यूज

ग्वालियर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), स्टार्टअप्स, इनोवेशन एवं उद्यमिता को समर्पित ग्वालियर एआई स्टार्टअप इम्पैक्ट समिट 2026 का भव्य आयोजन 9 अगस्त को बाल भवन, ग्वालियर में किया जाएगा। यह आयोजन द फंडामेंटल कम्युनिटी एवं ईरूफ कम्युनिटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में 200+ प्रोफेशनल्स, स्टार्टअप फाउंडर्स, उद्योग विशेषज्ञ, उद्यमी, निवेशक, शिक्षाविद एवं युवा नवप्रवर्तक एक मंच पर एकत्रित होंगे। सम्मेलन में एआई एवं डिजिटल इनोवेशन पर विशेषज्ञ सत्र, स्टार्टअप शोकेस, पैनल डिस्कशन, बिजनेस नेटवर्किंग, ब्रांड एवं स्टार्टअप एग्जीबिशन नॉलेज शेयरिंग तथा सहयोग के नए अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। यह आयोजन ग्वालियर के स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई दिशा देने और युवाओं को तकनीक एवं उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण प्रयास है।

युवाओं को जुड़ने का अवसर

इस कार्यक्रम के आयोजक सागर गुप्ता एवं दिव्यांश दांत्रे अपनी समर्पित टीम के साथ इस आयोजन का नेतृत्व कर रहे हैं। उनका उद्देश्य ग्वालियर को एआई, इनोवेशन और स्टार्टअप्स का एक सशक्त केंद्र बनाना है, जहाँ नए विचारों को मंच मिले और युवाओं को उद्योग जगत से जुड़ने का अवसर प्राप्त हो।आयोजकों ने शहर के सभी स्टार्टअप्स, व्यवसायियों, शिक्षण संस्थानों, विद्यार्थियों एवं तकनीक और नवाचार में रुचि रखने वाले नागरिकों से इस ऐतिहासिक सम्मेलन में भाग लेने का आग्रह किया है।

माधव वृद्ध आश्रम में श्रावण महोत्सव मनाया जाएगा

ग्वालियर। अजयभारत न्यूज

माधव बाल निकेतन एवं वृद्ध आश्रम के चेयरमैन नूतन श्रीवास्तव ने बताया की हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी माधव बाल निकेतन एवं वृद्ध आश्रम में श्रावण महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया जाएगा। जिस समय संत जनों के प्रवचन भजन संध्या खाटू श्याम संध्या इस्कॉन मंदिर का संकीर्तन संत जनों में रामचरितमानस मर्मज्ञ जेपी पाठक ,आध्यात्मिक गुरु संत कृपाल सिंह, धोली बुआ महाराज ,अन्ना मठ ,मनीष महाराज जगदुरु आनंदेश्वर महाराज ,ब्रह्मकुमारी के ज्योति दीदी, प्रहलाद भाई, सुंदरकांड वक्ता अंकित शर्मा, उमाशंकर पचौरी, रामबरन शास्त्री, सदानंद शास्त्री ,घनश्याम दास शास्त्री , प्रसाद पचौरी, पंडित राजेश्वर राव आदि संत जनों के प्रतिदिन प्रवचन होंगे। इसके साथ ही 5100 पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया जाएगा ।कार्यक्रम प्रतिदिन शाम को 5 से 7 बजे तक रहेगा।

आज का विचार

हथकरघा केवल एक वस्त्र नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक विरासत और 'वोकल फॉर लोकल' का जीवंत उदाहरण है। आइए हथकरघा पहनें और बुनकरों का समर्थन करें।

■ नरेन्द्र मोदी

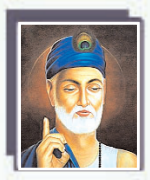

झीनी झीनी बीनी चदरिया... यह शरीर रूपी चादर जिस प्रकार परमात्मा और श्रम से बुनी है, उसी तरह हमारे बुनकरों के हाथों का हुनर भी इश्वर की कला का अहसास कराता है।

■ संत कबीर दास

सम्पादकीय

शर्मनाक... संसद में पप्पू की नौटंकी!

बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने जुलाई 2026 के अंत में संसद परिसर के मकर द्वार पर अयोध्या राम मंदिर के चंदे में कथित भ्रष्टाचार को दर्शाने के लिए साधु के वेश में एक सांकेतिक नाटक प्रस्तुत किया, जिसे मीडिया और राजनीतिक हलकों में 'चंदा नौटंकी' कहा गया। पप्पू यादव भगवा कपड़े पहनकर और साधु का रूप धारण कर संसद परिसर पहुंचे। विपक्षी सांसदों ने वहां एक दान पेटी रखी थी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्ष के अन्य नेताओं ने इसमें पैसे डाले। नाटक के दौरान जब समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव और अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद पैसे डालने लगे, तब पप्पू यादव उनसे पैसे छीनकर भागने लगे।इस कृत्य के जरिए उन्होंने राम मंदिर के चढ़ावे में हुई कथित चोरी को प्रतीकात्मक रूप से दर्शाने का प्रयास किया।संसद भवन कोई नाटक खेलने या स्वांग रचने का मंच नहीं है। वह देश के गणतंत्र का सर्वोच्च, पवित्र, गरिमामय और मर्यादित मंच है।

बेशक हमारे माननीय सांसदों ने ही इसकी गरिमा, छवि सवालिया की है। बेशक संसद परिसर में सांसद और राजनीतिक समूह विरोध-प्रदर्शन कर सकते हैं, धरने भी दिए जाते रहे हैं, लेकिन ऐसे ढोंग, नौटंकी पर उन्हें ही विचार करना चाहिए कि ये देशहित, जनहित और असंख्य आस्थाओं के पक्ष में है अथवा नहीं! बिहार से निर्दलीय सांसद (कांग्रेस समर्थक) पप्पू यादव ने संसद परिसर में जो कुछ भी किया, निश्चित रूप से वह सनातन-विरोधी था। प्रभु श्रीराम का अपमान भी था। मिथ्या, खोखले आरोपों का नाटकीय मंचन भी था। पप्पू यादव संसद भवन को राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय का प्रतीक भी नहीं दे सकते। साधु-संतों ने अयोध्या के राम मंदिर में चंदा-चढ़ावे की चोरी-डकैती की, ऐसा कोई साक्ष्य, आरोप या जांच-दल का निष्कर्ष नहीं है। इस मुद्दे पर संसद के भीतर विचारोत्तेजक, आरोपिया बहस की जानी चाहिए और मोदी सरकार-भाजपा को जवाब देने को बाध्य किया जाना चाहिए। पप्पू यादव का साधु-वेश धारण करना और चंदा-चोरी का प्रतीकात्मक अभिनय करना कमोबेश संसद भवन में नहीं किया जाना चाहिए था। पूर्णिया के लाखों लोगों ने उन्हें इसलिए निर्वाचित नहीं किया है। संविधान लागू हुए 76 वर्ष बीत चुके हैं और 18वीं लोकसभा अभी अस्तित्व में है, लेकिन ऐसी अपमानजनक राजनीति का नाटक हमने नहीं सुना और बीते तीन दशकों से देखा भी नहीं है। सचमुच प्रभु श्रीराम के मंदिर में यह चोरी-डकैती अत्यंत नीच, घटिया किस्म का भ्रष्टाचार है। जब चोरी के पैसे से बनाई गई संपत्तियों पर बुलडोजर चलाए जाएंगे, तो भी राजनीतिक दल चिल्ल-पौं करेंगे।बहरहाल इस संदर्भ में जो कार्रवाई की जानी चाहिए थी, वह की गई है। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय बंसल का इस्तीफा मंजूर हो चुका है और नए महासचिव पदासीन हो रहे हैं। जो चेहरे सवालिया और कलंकित हैं, उनसे पुलिस और जांच-दल ने पूछताछ की है। पप्पू ने ऐसे कुछ जिम्मेदार लोगों को 'चोर' कहा है, जो कानूनन उचित नहीं है। जांच अभी जारी है। सर्वोच्च अदालत तक मामला पहुंच चुका है और अदालत ने एसआईटी की रपट का अभी तक का ब्यौरा मांगा है। कई कलंकित, भ्रष्ट चेहरे अब भी जेल में हैं और पुलिस उनसे सिलसिलेवार पूछताछ कर रही है। यकीनन राम मंदिर के भीतर का यह अपराध एक आस्थावान वर्ग के लिए 'आध्यात्मिक आघात' से कम नहीं है। यदि यह अपराध कुछ कुकर्मी न करते, तो यह मुद्दा ही न बनता, सनातन अपमानित न होता और पप्पू यादव जैसे सांसद संसद भवन में ही नाटक न करते, लेकिन अब यह राजनीतिक, चुनावी मुद्दा बना दिया गया है। पप्पू यादव के ड्रामे में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, अयोध्या-फैजाबाद के सपा सांसद अवधेश प्रसाद, सपा सांसद डिंपल यादव आदि विपक्ष के कई चेहरे सम्मिलित थे। पप्पू नाटक कर रहे थे और चंदे के रुपए अपनी जेब में डाल रहे थे। चंदा चोरी का नाटकीय मंचन किया जा रहा था। उनके सहयोगी सांसदों ने 'प्रतीकात्मक' तौर पर उनकी पिटाई भी की। पप्पू चंदे की पेटी लेकर भागने लगे, तो उनसे वह पेटी छीनने का प्रयास भी किया गया। यकीनन इस नाटक ने कुछ हिंदूवादी संगठनों, साधु-संतों और सांसदों को भी आक्रोशित किया। साधु-संतों ने अयोध्या, प्रयागराज, लखनऊ जैसे शहरों में जुलूस निकाले, पप्पू के स्वांग की भर्त्सना की और प्राथमिकियां दर्ज कराई गईं। इनके नतीजतन पप्पू यादव के सरकारी आवास में घुस कर हमलावरों ने सांसद पर हमला किया। जूते-चप्पल उनकी ओर उछाले और टीवी चैनलों पर एक बड़ा-सा चाकू दिखाया गया। सांसद का कहना था कि हमलावर उन्हें मारने आए थे।

आज का चिंतन

मन जीवन का केंद्र बिंदु

मन को जीवन का केंद्र बिंदु कहना असंभव नहीं है। मनुष्य की क्रियाओं, आचरणों का प्रारंभ मन से ही होता है। मन तरह-तरह के संकल्प, कल्पनाएं करता है। जिस ओर उसका रुझान हो जाता है उसी ओर मनुष्य की सारी गतिविधियां चल पड़ती है। जैसी कल्पना हो उसी के अनुरूप प्रयास-पुरुषार्थ एवं उसी के अनुसार फल सामने आने लगते हैं। मन जिधर रस लेने लगे उसमें लौकिक लाभ या हानि का बहुत महत्व नहीं रह जाता। प्रिय लगने वाले के लिए सब कुछ खो देने और बड़े से बड़े कष्ट सहने को भी मनुष्य सहज ही तैयार हो जाता है। मन यदि अच्छी दिशा में मुड़ जाए; आत्मसुधार, आत्मनिर्माण और आत्मविकास में रुचि लेने लगे तो जीवन में एक चमत्कार हो सकता है। सामान्य श्रेणी का मनुष्य भी महापुरुषों की श्रेणी में आसानी से पहुंच सकता है। सारी कठिनाई मन को अनुपयुक्त दिशा से उपयुक्त दिशा में मोड़ने की ही है। इस समस्या के हल होने पर मनुष्य सच्चे अर्थ में मनुष्य बनता हुआ देवत्व के लक्ष्य तक सुविधापूर्वक पहुंच सकता है।

माय ओपीनियन

■ रमेश धवाला, पूर्व मंत्री

निर्णायक वोट, अधूरा प्रतिनिधित्व

हिमाचल प्रदेश की राजनीति में अन्य पिछड़ा वर्ग, विशेषकर निचले हिमाचल के क्षेत्रों में, निर्णायक भूमिका निभाता रहा है। राज्य की कुल जनसंख्या में ओबीसी समुदाय की हिस्सेदारी लगभग 18 प्रतिशत मानी जाती है। कांगड़ा, हमीरपुर, ऊना और सिरमौर जैसे जिलों की अनेक विधानसभा सीटों पर इस समुदाय की उपस्थिति चुनाव परिणामों को प्रभावित करने की क्षमता रखती है। प्रदेश की कुल ओबीसी आबादी का बड़ा हिस्सा कांगड़ा जिले में निवास करता है। यही कारण है कि कांगड़ा को हिमाचल की सत्ता का प्रवेशद्वार कहा जाता है और यह कहावत प्रचलित है कि शिमला जाने का रास्ता कांगड़ा से होकर गुजरता है।

इसका राजनीतिक अर्थ यह है कि जो दल कांगड़ा और इसके आसपास के क्षेत्रों में सामाजिक समर्थन प्राप्त करता है, उसके लिए प्रदेश में सरकार बनाना अपेक्षाकृत आसान हो जाता है। ओबीसी समुदाय का एकजुट मतदान अनेक विधानसभा क्षेत्रों में निर्णायक सिद्ध हो सकता है। यही कारण है कि राजनीतिक दल न केवल ओबीसी हितैषी नीतियों की घोषणा करते हैं, बल्कि उम्मीदवारों की जातिगत पहचान को ध्यान में रखकर टिकट देते हैं और अप्रत्यक्ष रूप से जाति के आधार पर वोट की अपील भी करते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि ओबीसी समुदाय का इस्तेमाल वोट बैंक के रूप में तो किया जा रहा है, पर उसे उसकी जनसंख्या के अनुपात में राजनीतिक प्रतिनिधित्व और नीतिगत भागीदारी नहीं दी जा रही।

हिमाचल प्रदेश में ओबीसी आरक्षण का प्रभावी कार्यान्वयन लंबे समय से चर्चा का विषय रहा है। शिक्षा और सरकारी नौकरियों में 27 प्रतिशत आरक्षण की मांग अब भी पूरी तरह संतोषजनक समाधान की प्रतीक्षा कर रही है। संविधान के 93वें संशोधन के अनुरूप शैक्षणिक संस्थानों में सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए अवसर सुनिश्चित करने के प्रश्न पर भी पर्याप्त राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाई नहीं देती। कांग्रेस और भाजपा दोनों ही चुनावों के समय ओबीसी समुदाय को आकर्षित करने का प्रयास करती हैं, लेकिन चुनाव के बाद प्रतिनिधित्व और नीतिगत भागीदारी के प्रश्न गौण हो जाते हैं। यही कारण है कि समुदाय में यह भावना मजबूत होती जा रही है कि राजनीतिक दल उसे नागरिक समूह के बजाय केवल वोट बैंक के रूप में देखते हैं। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनावों से संबंधित विभिन्न चुनावी आकलनों में यह दावा किया गया कि कांग्रेस को ओबीसी मतदाताओं का उल्लेखनीय समर्थन प्राप्त हुआ, जिसने उसकी जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। परंपरागत रूप से कांग्रेस के समर्थक माने जाने वाले पिछड़े वर्गों के मतदाताओं में आज इस बात को लेकर असंतोष दिखाई देता है कि उन्हें राज्य मंत्रिमंडल और अन्य महत्त्वपूर्ण संस्थाओं

> हिमाचल प्रदेश की राजनीति में मंडल आयोग और उसके विरोध से जुड़ा दौर भी महत्त्वपूर्ण रहा है। निचले हिमाचल के ओबीसी प्रभाव वाले क्षेत्रों में मंडल विरोधी आंदोलन का गहरा राजनीतिक असर पड़ा था। उस समय सत्ता में रही भाजपा को ओबीसी समुदाय के एक हिस्से का समर्थन खोना पड़ा और वर्ष 1993 के विधानसभा चुनावों में उसे गंभीर चुनावी पराजय का सामना करना पड़ा। वर्ष 1998 में ज्वालामुखी विधानसभा क्षेत्र से ओबीसी नेता के रूप में मैंने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में विजय प्राप्त की और भाजपा सरकार के गठन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके बाद धीरे-धीरे ओबीसी समुदाय के एक हिस्से का झुकाव भाजपा की ओर बढ़ा। इससे यह सिद्ध होता है कि समुदाय का समर्थन स्थायी रूप से किसी एक दल के साथ नहीं रहता, वह प्रतिनिधित्व, सम्मान और राजनीतिक भागीदारी के आधार पर बदलता रहता है। वर्तमान समय में भाजपा के सामने चुनौती यह है कि वह अपने ओबीसी जनाधार को एकजुट रखने में कितनी सफल होती है। संगठन और सरकार के स्तर पर प्रमुख ओबीसी नेताओं तथा पुराने कार्यकर्ताओं की अनदेखी की शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं। यदि किसी दल के समर्पित कार्यकर्ताओं को केवल चुनाव के समय याद किया जाए और टिकट या संगठनात्मक जिम्मेदारियों के वितरण में उनकी उपेक्षा की जाए, तो असंतोष स्वाभाविक है।

ओबीसी प्रतिनिधित्व का प्रश्न केवल चुनावी समर्थन प्राप्त कर लेना और समुदाय को वास्तविक राजनीतिक भागीदारी देना दो अलग बातें हैं। यदि कांग्रेस को वर्ष 2022 में ओबीसी मतदाताओं का व्यापक समर्थन मिला, तो उस समर्थन का उत्तर सम्मानजनक प्रतिनिधित्व, स्पष्ट आरक्षण नीति, नियमित भर्ती और समुदाय के सामाजिक-आर्थिक उत्थान से दिया जाना चाहिए। सिर्फ कुछ नेताओं को पद देकर पूरे समुदाय के प्रतिनिधित्व का दावा नहीं किया जा सकता। प्रतिनिधित्व का अर्थ मंत्रिमंडल, पार्टी संगठन, बोर्डों-निगमों, शैक्षणिक संस्थानों, प्रशासनिक संरचनाओं और नीति-निर्माण में वास्तविक भागीदारी है। और यदि सुक्खू सरकार दोबारा सत्ता में आने का सपना देख रही है, तो उसे विशेष रूप से 93वें संविधान संशोधन को प्रदेश में लागू करना होगा।

फोकस

■ डॉ. एस. के. पांडा

हथकरघा दिवस: भारत की बुनाई विरासत का उत्सव

रोटी के बाद कपड़ा (वस्त्र) मनुष्य की सबसे महत्वपूर्ण मूलभूत आवश्यकता है। आदिवासी लोग प्रकृति की अत्यधिक ठंड और गर्मी से खुद को बचाने के लिए पेड़ों की छाल और जानवरों की चमड़ी का इस्तेमाल करते थे। कपास, ऊन और रेशम की खोज, साथ ही उन्हें सूत में बदलने और सूत से कपड़े बुनने की तकनीक, मानव सभ्यता के विकास में एक महत्वपूर्ण कड़ी है। भारत में हथकरघा की समृद्ध परंपरा है, और प्रत्येक राज्य और क्षेत्र अपने विशिष्ट और अनूठे कपड़ों की बुनाई के लिए जाना जाता है।

लेह, लद्दाख और कश्मीर घाटी की विशिष्ट पश्मीना शॉल, हिमाचल प्रदेश की कुल्लू शॉल, पंजूब की फुलकारी और पांजा बुनाई, हरियाणा की पंचाचूली बुनाई, राजस्थान की शीशा बुनाई, उत्तर प्रदेश की प्रसिद्ध बनारसी और चिकनकारी, बिहार की भागलपुरी सिल्क, गुजरात की बंधनी, महाराष्ट्र की पैठानी, कर्नाटक की मैसूर सिल्क, केरल की कसावु, तमिलनाडु की कांजीवरम और कलमकारी, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की पोचमपल्ली, मध्य प्रदेश के चंदेरी और माहेश्वरी, संबलपुर, ओडिशा के सिंगल और डबल इकत, पश्चिम बंगाल के जामदानी, असम के मुगा सिल्क, नागालैंड के नागा शॉल, त्रिपुरा के रिया और पचरा, मिजोरम में कमर करघे पर बुने गए पुआन कपड़े, सभी भारत के विशिष्ट हाथ से बुने हुए कपड़ों की एक विस्तृत श्रृंखला का प्रतिनिधित्व करते हैं।

कश्मीर से कन्याकुमारी और कच्छ से कछार तक फैले देश के प्रत्येक क्षेत्र में अपने विशिष्ट हथकरघा उत्पाद हैं, जो वास्तव में भारत की 'विविधता में एकता' को दर्शाते हैं और हर भारतीय को गौरवान्वित करते हैं। इस समृद्ध विरासत को बनाए रखना और संरक्षित करना एक राष्ट्रीय कर्तव्य है, जिसके लिए उपभोक्ताओं और उत्पादकों के सक्रिय सहयोग की आवश्यकता है, साथ ही केंद्र

और राज्य सरकारों के प्रयासों का भी इसमें योगदान होना चाहिए। हथकरघा मानव की मूलभूत आवश्यकताओं में से एक होने के साथ-साथ संस्कृति और परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसके मालिकों के लिए गर्व का विषय है। वास्तव में, अपने समृद्ध डिजाइन के लिए प्रसिद्ध हथकरघा वस्त्र, सोने और हीरे के आभूषणों और मसालों के अलावा विदेशी शासकों के लिए ईर्ष्या का स्रोत बन गए थे। ब्रिटिश वस्त्र उद्योग की रक्षा के लिए बंगाल के कुशल बुनकरों की उंगलियां काटने का भी उल्लेख मिलता है। हालांकि, औद्योगिक क्रांति के नेतृत्व में हुए विकास और पावर लूम और कंपोजिट मिलों में बड़े पैमाने पर कपड़ों के उत्पादन ने पिछले दशकों में भारतीय हथकरघा उद्योग की स्थिति को लगातार प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया है।

तीसरी हथकरघा जनगणना (2009-10) के अनुसार, हथकरघा की संख्या घटकर 23.77 लाख रह गई, जो दूसरी हथकरघा जनगणना (1995-96) की तुलना में 31.8% कम है। इसी प्रकार, हथकरघा बुनकरों और श्रमिकों की संख्या भी पिछली जनगणना की तुलना में 33.8% घटकर 43.31 लाख रह गई। हालांकि, पूर्णकालिक बुनकरों का हिस्सा दूसरी जनगणना में 44% से बढ़कर तीसरी जनगणना में 64% हो गया। यह एक सकारात्मक विकास है, जो दर्शाता है कि हथकरघा और हथकरघा बुनकरों की कुल संख्या में कमी आई है, लेकिन पूर्णकालिक आधार पर हथकरघा का काम करने वाले बुनकरों का प्रतिशत बढ़ा है। इसके अलावा, यह तथ्य कि 70% से अधिक बुनकर महिलाएं हैं और अधिकांश बुनकर पिछड़े वर्गों से आते हैं, इस उद्योग को सामाजिक रूप से काफी महत्वपूर्ण बनाता है।

हथकरघा परंपरा और संस्कृति का अभिन्न अंग होने के बावजूद, मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था में किसी उत्पाद की गुणवत्ता और कीमत, समान प्रकार के प्रतिस्पर्धी उत्पादों की तुलना में, उसकी मजबूती पर निर्भर करती है। नई तकनीक के समर्थन से बिजली करघों और मिश्रित मिलों में कृत्रिम रेशों से बुने गए कपड़ों का हिस्सा लगातार बढ़ रहा है। मुक्त बाजार में ऐसे कपड़ों से प्रतिस्पर्धा करने के लिए, गुणवत्ता और नए डिजाइनों के मामले में हथकरघा को उसकी अनूठी विशेषताओं के आधार पर मजबूत करना आवश्यक है। पर्याप्त व्यय योग्य आय वाले शहरी मध्यम वर्ग के उदय ने हथकरघा उत्पादों के लिए, विशेष रूप से अद्वितीय जातीय उत्पादों की तलाश करने वाले संपन्न ग्राहकों के लिए, अवसरों का एक नया द्वार खोल दिया है। इससे हथकरघा को बिजली करघों और मिलों में बने कपड़ों से प्रतिस्पर्धा का सामना करने में मदद मिलेगी। इससे हथकरघा बुनकरों को वित्तीय और तकनीकी सहायता, मार्गदर्शन और मान्यता प्रदान करके उन्हें सतत विकास के लिए सशक्त बनाना आवश्यक हो गया है, ताकि वे सब्सिडी पर निर्भर रहने के बजाय अपनी ताकत का उपयोग कर सकें।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में हथकरघा को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण को काफी बल मिला। उन्होंने एक ओर तो खादी और हथकरघा को राष्ट्रीय गौरव का विषय मानते हुए, वहीं दूसरी ओर इस सदियों पुराने उद्योग पर निर्भर लाखों हथकरघा बुनकरों को आजीविका प्रदान करने के लिए व्यक्तिगत रुचि दिखाई। हथकरघा उद्योग के विकास के लिए दोहरी रणनीति अपनाई गई, जिसमें हथकरघा बुनकरों को सामाजिक मान्यता देना और उन्हें अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि के लिए विशिष्ट गुणवत्ता वाले उत्पाद बुनने में सक्षम बनाना शामिल था।

एक दशक में सबसे गंभीर चुनौती के रूप में उभरी है डिजिटल फिल्म पाइरेसी

विश्लेषण

■ - विनोद कुमार सिंह

पायरेसी पर सरकार का 'सर्जिकल स्ट्राइक'

भारतीय सिनेमा केवल मनोरंजन उद्योग नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक विरासत, रचनात्मक अभिव्यक्ति और आर्थिक विकास का एक सशक्त स्तंभ है। हिंदी सहित विभिन्न भारतीय भाषाओं में प्रतिवर्ष हजारों फिल्मों, वृत्तचित्रों और वेब-आधारित कंटेंट का निर्माण होता है, जिनसे लाखों लोगों की आजीविका जुड़ी है। अभिनेता, निर्देशक, लेखक, तकनीशियन, संगीतकार, वितरक, सिनेमाघर संचालक और डिजिटल प्लेटफॉर्म–सभी इस विशाल पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा हैं। किंतु पिछले एक दशक में इस उद्योग के

सामने सबसे गंभीर चुनौती के रूप में उभरी है डिजिटल फिल्म पाइरेसी। इंटरनेट की बढ़ती पहुँच और संचार तकनीक के विस्तार ने जहाँ मनोरंजन को जनसुलभ बनाया है, वहीं फिल्मों की अवैध रिकॉर्डिंग और प्रसारण ने रचनात्मक उद्योग को अरबों रुपये का नुकसान पहुँचाया है। इसी चुनौती से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए भारत सरकार ने कानूनी और संस्थागत दोनों स्तरों पर व्यापक सुधार किए हैं। सरकार द्वारा लागू सिनेमैटोग्राफ (संशोधन) अधिनियम, 2023 भारतीय फिल्म उद्योग के लिए एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।इस संशोधन ने पहली बार फिल्म पाइरेसी को स्पष्ट रूप से लक्षित करते हुए ऐसे प्रावधान जोड़े हैं, जिनसे डिजिटल माध्यमों पर अवैध रूप से फिल्में प्रसारित करने वालों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई संभव हो सके। संशोधित अधिनियम की धारा 7 (1B) (ii) सरकार को यह अधिकार प्रदान करती है कि वह सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 79 (3) के अंतर्गत उन मध्यस्थों (Intermediaries) के विरुद्ध कार्रवाई करे, जिनके प्लेटफॉर्म पर फिल्मों की अवैध प्रतियां उपलब्ध कराई जा रही हों। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 79 (3) (b) के अनुसार यदि किसी डिजिटल मध्यस्थ को सरकार अथवा सक्षम न्यायालय द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उसके मंच पर कानून का उल्लंघन करने वाली सामग्री उपलब्ध है, तो उसे तत्काल उस सामग्री को हटाना अथवा उसकी पहुँच निष्क्रिय करना अनिवार्य होगा। इसी व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशानिर्देश एवं डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 लागू किए गए हैं।

बात आपके काम की...

केवल फैशन के पीछे न भागें

अगर आपकी लंबाई कम है तो आप को इस प्रकार के कपड़ों का चयन करना चाहिये। कपड़े ऐसे हों जिनमें वर्टीकल पट्टियां हों। इसका कारण यह है कि हॉरीजौन्टल पट्टियों में आपकी लंबाई कम लगेगी। आप मोटी या पतली वर्टीकल पट्टियों को पहन सकती हैं। केवल फैशन के पीछे न भागे। स्कर्ट, क्रॉप पैंट जैसी चीजों से आपको बचना चाहिए क्योंकि आप ऐसी चीजें पहनकर और छोटी लगेंगी। एंकिल तक की पट्टियों वाले कपड़ों और जूतों को आप अपने से दूर रखें क्योंकि इससे आप और छोटी लगेंगी। अगर आपको एंकिल तक की पट्टियों वाले फुटवियर पसंद हैं तो उसमें हील जरुर हों। अगर आप बड़े आकार के बैग का इस्तेमाल करती हैं तो उसे बदल दें। ज्यादा बड़े आकार के बैग को कैरी करने से आपकी हाइट और कम लगती हैं। इसलिए आप ऐसा बैग लें जिस में आप अच्छी लगें। जिनके पैरों की लंबाई ज्यादा होती हैं उन पर शर्ट वाली ड्रेस अच्छी लगती हैं। शर्ट वाली ड्रेस का कोई अपना आकार नहीं होता हैं इसलिए ये आपको चकोर लुक देता हैं जो आप पर थोड़ा अजीब लग सकता हैं।

आप भी आमंत्रित | सम्पादकीय पेज पर आप भी आमंत्रित हैं। आप अपने विचार इस पेज के जरिए अभिव्यक्त कर सकते हैं। अपने विचार-लेख, रचनाएं, पत्र हमें इस ईमेल पर भेजें- ajaybharatmorena@gmail.com

संपादकीय पेज पर प्रकाशित सामग्री पर संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है।

7वें अंतर्राष्ट्रीय नवकरणीय ऊर्जा सम्मेलन में मध्यप्रदेश के हरित ऊर्जा मॉडल का हुआ प्रेजेंटेशन

नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश देश का अग्रणी राज्य: सीएम डॉ. यादव

स्वच्छ ऊर्जा और हरित परिवहन का दिया संदेश, सम्मेलन में शामिल होने के लिए दिल्ली मेट्रो से किया सफर

पेज -1 से जारी

भोपाल। अजयभारत न्यूज

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दिल्ली में आयोजित 7वें अंतर्राष्ट्रीय नवकरणीय ऊर्जा सम्मेलन में भाग लेते हुए कहा कि मध्यप्रदेश वर्ष 2030 तक देश के 500 गीगा वॉट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य नवकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण तथा हरित औद्योगिक विकास के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। म.प्र. आज देश के अग्रणी राज्यों में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मेलन में शामिल होने के लिए एयरपोर्ट से दिल्ली मेट्रो की एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के माध्यम से शिवाजी स्टेडियम तक यात्रा कर स्वच्छ एवं पर्यावरण-अनुकूल सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने का संदेश दिया। दिल्ली मेट्रो अपने संचालन में बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा का उपयोग करती है, इसलिए मुख्यमंत्री ने हरित ऊर्जा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में मेट्रो से यात्रा की।

नई दिल्ली में आयोजित 7वें अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सम्मेलन एवं प्रदर्शनी-2026 में मध्यप्रदेश ने स्वच्छ एवं नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों और भविष्य की कार्य योजना का प्रभावी प्रेजेंटेशन दिया। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में केंद्रीय नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी, केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमार स्वामी तथा भूटान के ऊर्जा एवं प्राकृतिक संसाधन मंत्री एच.ई. ल्योनपो जेम त्शेरिंग तथा श्रीलंका के ऊर्जा मंत्री अनुरा करुणाथिलका, अपर मुख्य सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा म.प्र. मनु श्रीवास्तव सहित देश-विदेश के ऊर्जा क्षेत्र के विशेषज्ञ, नीति-निर्माता और उद्योग जगत के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में निवेश-अनुकूल नीतियों, सुदृढ़ आधारभूत संरचना और पर्याप्त प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता से मध्यप्रदेश देश के अग्रणी ग्रीन एनर्जी हब के रूप में तेजी से उभर रहा है। सम्मेलन में ऊर्जा सुरक्षा, हरित प्रौद्योगिकी, नवाचार, निवेश और अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया गया। यह आयोजन स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक साझेदारी को मजबूत करने तथा सतत विकास के लक्ष्यों की दिशा में महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में मध्यप्रदेश की नवकरणीय ऊर्जा क्षमता 438 मेगावॉट से बढ़कर 11,000 मेगावाट हो गई है, जो लगभग 25 गुना वृद्धि है। पिछले 2 वर्षों में राज्य सरकार ने नवकरणीय ऊर्जा, पंप्ड हाइड्रो ऊर्जा भंडारण तथा बायोमास नीतियां लागू कर निवेश और नवाचार को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि 750 मेगावाट रीवा अल्ट्रा मेगा सौर परियोजना ने देश में पहली बार सौर ऊर्जा का टैरिफ कोयला आधारित विद्युत से भी कम स्थापित किया। इस परियोजना को वर्ल्ड बैंक ग्रुप प्रेसिडेन्ट्स अवार्ड फॉर एक्सीलेंस प्राप्त हुआ तथा इसकी केस स्टडी हावर्ड युनिवर्सिटी में पढ़ाई जाती है। वहीं 1,500 मेगावाट आगर-शाजापुर-नीमच सौर परियोजना में 2.14 रूपये प्रति यूनिट का रिकॉर्ड न्यूनतम सौर टैरिफ प्राप्त हुआ है और इससे भारतीय रेलवे को 8 राज्यों में हरित ऊर्जा उपलब्ध कराई जा रही है।

एनआरईडी की भूमिका

नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग, मध्य प्रदेश शासन राज्य में नवकरणीय ऊर्जा नीति निर्माण, निवेश प्रोत्साहन, परियोजना विकास तथा ऊर्जा संक्रमण से संबंधित कार्यक्रमों के समन्वय हेतु प्रमुख विभाग है। विभाग प्रदेश को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सतत ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए कार्यरत है।

प्रेजेंटेशन के मुख्य बिन्दु

- **4 घंटे बैटरी ऊर्जा भंडारण:** ऐसी परियोजनाएँ जो सौर ऊर्जा को संग्रहित कर सायंकालीन पीक मांग के समय विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करती हैं तथा ग्रिड की विश्वसनीयता बढ़ाती हैं।
- **6 घंटे बैटरी ऊर्जा भंडारण:** ये परियोजनाएँ अधिक अवधि तक ऊर्जा आपूर्ति प्रदान कर नवकरणीय ऊर्जा के बेहतर एकीकरण, मांग प्रबंधन एवं ग्रिड स्थिरता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।
- **24 घंटे नवकरणीय ऊर्जा एवं भंडारण परियोजनाएँ:** सौर ऊर्जा एवं दीर्घावधि ऊर्जा भंडारण के संयोजन से विकसित ये परियोजनाएँ चौबीसों घंटे स्वच्छ एवं विश्वसनीय विद्युत उपलब्ध कराने में सक्षम हैं, जिससे उद्योगों, वितरण कंपनियों तथा डेटा सेंटर जैसे उच्च मांग वाले उपभोक्ताओं को ऊर्जा सुरक्षा प्राप्त होगी।

एमपी में मंत्री-विधायकों का भत्ता खत्म करने की तैयारी !, धोबी-नाई समेत 74 मदें शामिल

भोपाल। अजयभारत न्यूज

मध्य प्रदेश सरकार वित्तीय वर्ष 2027-28 के बजट में बड़ा बदलाव करने की तैयारी में है। सरकार बजट व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और परिणाम आधारित बनाने के लिए 74 पुरानी बजटीय मदों के पुनर्गठन की तैयारी कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, इस बदलाव का असर मंत्रियों और विधायकों से जुड़े कई पारंपरिक भत्तों और प्रशासनिक मदों पर भी पड़ सकता है। हालांकि, अंतिम फैसला बजट और वित्त विभाग की अधिसूचना के बाद ही लागू होगा।

बजट पर टिकी है सबकी नजर

पूर्व आईएएस अधिकारी जी.पी. माली इसे एक महत्वपूर्ण वित्तीय सुधार मानते हैं। उनका कहना है कि पुराने और अप्रासंगिक बजटीय प्रावधानों को हटाने से न केवल बजट प्रणाली सरल होगी, बल्कि सरकारी खर्चों की निगरानी और जवाबदेही भी मजबूत होगी।अब सबकी नजर वित्तीय वर्ष 2027-28 के बजट पर टिकी है। यदि सरकार इस प्रस्ताव को अंतिम मंजूरी देती है, तो मध्य प्रदेश की बजटीय व्यवस्था में यह अब तक के सबसे बड़े सुधारों में से एक होगा। हालांकि, यह स्पष्ट होना अभी बाकी है कि किन-किन भत्तों और बजटीय मदों को पूरी तरह समाप्त किया जाएगा और किन्हें नई व्यवस्था में समाहित किया जाएगा।

प्रदेश सरकार वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता को मजबूत करने के लिए बजट प्रणाली में बड़ा सुधार करने जा रही है। वित्त विभाग नई बजट संरचना तैयार कर रहा है, जिसमें वर्षों से चली आ रही 74 पुरानी बजटीय मदों को समाप्त करने या नई व्यवस्था में समाहित करने का प्रस्ताव है। सरकार का तर्क है कि समय के साथ कई प्रावधान अप्रासंगिक हो चुके हैं, इसलिए बजट को आधुनिक जरूरतों के अनुरूप बनाया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, प्रस्तावित बदलावों में मंत्रियों और विधायकों से जुड़े कई पारंपरिक भत्ते और व्यय मद प्रभावित हो सकते हैं। इनमें आदिवासी क्षेत्र भत्ता, नगर क्षतिपूर्ति भत्ता, अवकाश यात्रा सुविधा (रुक्षष्ट), प्रतिनियुक्ति भत्ता और भोजन भत्ता जैसी मदें शामिल हैं। वहीं, त्योहार अग्रिम, अनाज अग्रिम, धोबी-नाई खर्च और कुछ अन्य प्रशासनिक मदों को भी नई व्यवस्था में समाहित किए जाने की तैयारी है।

पहल का सरकार ने किया स्वागत

भारतीय जनता पार्टी ने सरकार की इस पहल का स्वागत किया है। भाजपा का कहना है कि बदलते समय के अनुसार वित्तीय सुधार जरूरी हैं और सरकार बजट व्यवस्था को अधिक पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाने की दिशा में काम कर रही है।

74 पुरानी बजटीय मदों का प्रस्तावित पुनर्गठन

- नई बजट संरचना लागू होगी
- वित्तीय पारदर्शिता पर जोर
- खर्चों की निगरानी होगी आसान
- परिणाम आधारित बजट व्यवस्था

प्रस्तावित रूप से प्रभावित भत्ते

- आदिवासी क्षेत्र भत्ता
- नगर क्षतिपूर्ति भत्ता
- अवकाश यात्रा सुविधा
- प्रतिनियुक्ति भत्ता
- भोजन भत्ता
- महंगाई भत्ता/महंगाई वेतन

प्रभावित अन्य मदें

- त्योहार अग्रिम
- अनाज अग्रिम
- धोबी एवं नाई खर्च

कांग्रेस ने उठाए सवाल

कांग्रेस ने इस प्रस्तावित बदलाव को लेकर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस का कहना है कि जब मंत्रियों और विधायकों को पर्याप्त सुविधाएं और संसाधन उपलब्ध हैं, तो ऐसे भत्तों की जरूरत ही नहीं है। पार्टी ने इसे वित्तीय सुधार का हिस्सा बताते हुए पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की है।

शैलेंद्र शैली व्याख्यान माला में व्याख्यान देंगी--पूर्व सांसद वृंदा करात

अजय भारत न्यूज

ग्वालियर । ग्वालियर के छात्र आंदोलन के जुझारू नेता मार्क्सवादी चिंतक शैलेंद्र शैली की स्मृति में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 7 अगस्त को व्याख्यान माला का आयोजन होगा द्य पूर्व पार्षद मार्क्सवादी विचारधारा नेता रामविलास गोस्वामी ने बताया शैलेन्द्र शैली की याद में व्याख्यान माला 24 जुलाई से 7 अगस्त तक मध्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित की जाती है। व्याख्यान का विषय आज की दुनिया और भारत होगा द्य व्याख्यान में वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिस्थिति और भारत की स्थिति पर विस्तार से पूर्व सांसद वृंदा करात विचार व्यक्त करेंगी। व्याख्यान की अध्यक्षता ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन के अध्यक्ष व रिटायर जिला जज रतन कुमार वर्मा करेंगे।

भोपाल । पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री सुरेश पचौरी ने सौम्यता, संवेदनशीलता, शालीनता की प्रतीक ओजस्वी वक्ता और प्रखर राजनेता, पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं पद्म विभूषण आदरणीया श्रीमती सुषमा स्वराज जी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि व सादर नमन् करते हुए कहा कि राष्ट्रसेवा के प्रति आपका समर्पण, प्रभावशाली नेतृत्व और जनहित के लिए आपका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

-अजय भारत

शहर कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष प्रदीप रजक के नेतृत्व में मप्र कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी का भव्य स्वागत

मुरैना। अजय भारत न्यूज

दिल्ली से दतिया जाते समय मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी का मुरैना स्थित होटल राज पैलेस, ए.बी. रोड पर शहर कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष प्रदीप रजक के नेतृत्व में कांग्रेस सेवादल के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों द्वारा भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला मुरैना कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र यादव, राम लखन दंडोतिया दतिया, प्रभारी प्रबल प्रताप रिंकू मावई पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष, विधायक देवेंद्र सखवार, बैजनाथ कुशवाहा पूर्व विधायक पूर्व ब्लाक अध्यक्ष विक्रम राज मुद्गल अनिल गुर्जर जिला अध्यक्ष युवक कांग्रेस राजेश राठौड़ जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग कांग्रेस महेश रजक महेश पलिया,राकेश सिकरवार फौजी,फैजान खान अल्पसंख्यक विभाग प्रदेश सचिव, आनंद रजक जिला उपाध्यक्ष कांग्रेस सेवा दल, पप्पू दीक्षित जिला महासचिव कांग्रेस सेवा दल, अरविंद अरविंद अली शर्मा ,आशु दंडोतिया, अनु दंडोतिया, सोहन खान जिलासंयुक्त सचिव कांग्रेस सेवादल, अंकित सिंह जिला सचिव कांग्रेस सेवा दल, अनिकेत कुमार जिला सचिव कांग्रेस सेवा दल ,अमन रजक जिला महासचिव कांग्रेस सेवादल, राजपाल यादव जिला महासचिव कांग्रेस सेवा दल, चेतन मुद्गल जिला महासचिव कांग्रेस कांग्रेस सेवादल, सुखलाल रजक जिला महासचिव कांग्रेस सेवा दल, सियाराम पंडित जिला सचिव कांग्रेस सेवा दल, बुधीराम बाथम, जितेंद्र राजोरिया, समीर खान जिला महासचिव कांग्रेस सेवादल, एवं तमाम कांग्रेसजनों ने पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण कर पटवारी का अभिनंदन किया। स्वागत कार्यक्रम में संगठन की एकजुटता, कार्यकर्ताओं का उत्साह तथा कांग्रेस की जनसेवा के प्रति समर्पण स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

बारिश: बीमारियों को रोकने, एंटी-लार्वा छिड़काव

ग्वालियर। मंगलवार एवं बुधवार को शहर में हुई बारिश के चलते कई निचले स्थानों पर पानी एकत्र हो गया है। जलजमाव होने के कारण डेंगू, मलेरिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों के तेजी से फैलने का खतरा बढ़ गया है। इस गंभीर स्थिति से निपटने और बीमारियों के प्रकोप को रोकने के लिए नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित कार्रवाई की जा रही है।मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय के निर्देषानुसार वार्ड क्रमांक 2 झाड़ू वाला मोहल्ला, वार्ड 18 सी सेक्टर दीनदयाल नगर, सहित शहर के दो दर्जन से अधिक जलजमाव वाले स्थानों पर मच्छरों के लार्वा को पनपने से रोकने के लिए पानी में बड़े पैमाने पर बलीचिंग पाउडर डाला जा रहा है।

साहित्य शिरोमणि पंडित दामोदर दास चतुर्वेदी स्मृति सम्मान समारोह तथा अखिल भारतीय कवि सम्मेलन 12 को

ग्वालियर। अजयभारत न्यूज

आगामी 12 अगस्त को देश की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था अखिल भारतीय सर्वभाषा संस्कृति समन्वय समिति के तत्वावधान में ग्वालियर की सिग्नेचर सोसायटी के सभागार में हिंदी के मूर्धन्य साहित्यकार, स्वतंत्रता सेनानी एवं पत्रकार पंडित दामोदर दास चतुर्वेदी की पावन स्मृति को समर्पित एक भव्य साहित्य महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव में ग्वालियर के प्रतिष्ठित उद्योगपति सेठ सोहनलाल खंडेलवाल के व्यक्तित्व और कृतित्व पर केंद्रित बहुराष्ट्रीय पत्रिका प्रज्ञान विश्वम् के विशेषांक का लोकार्पण किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली से आ रहे अंतरराष्ट्रीय ख्यात कवि पत्रकार पंडित सुरेश नीरव करेंगे तथा मुख्य अतिथि चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष डॉ प्रवीण अग्रवाल होंगे। इस अवसर पर साहित्य शिरोमणि दामोदर दास चतुर्वेदी स्मृति सम्मान से साहित्यकारों एवं समाज सेवियों को अलंकृत भी किया जायेगा।

इनका होगा कविता पाठ- इस अवसर पर एक अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें नीदरलैंड्स से प्रवासी कवि विश्वास दुबे, डॉ. प्रकाश उपाध्याय (रतलाम), डॉ. राखी कटियार(वडोदरा), मधु मिश्रा (नोएडा), आचार्य विजय तिवारी 'किसलय' (जबलपुर), डॉ. अमरकांत कुमर (दरभंगा), विनय कुमार (गुरुग्राम) कन्हैयालाल 'भ्रमर' (जयपुर), डॉ. प्रेम लता नीलम (दमोह), अतुल वीएन चतुर्वेदी (इटावा), प्रवीण चौहान (ग़ाज़ियाबाद) तथा स्थानीय कवियों में, डॉ. भगवान स्वरूप चैतन्य और डॉ. मुक्ता सिकरवार कविता पाठ करेंगे।

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष लता गुप्ता का सम्मान 9 को

मुरैना। अग्रवाल संघ द्वारा आयोजित रक्षाबंधन मेले के अवसर पर महिला आयोग, दिल्ली की अध्यक्ष श्रीमती लता गुप्ता का सम्मान समारोह का आयोजन आगामी 9 अगस्त, रविवार को स्थानीय गांधी मैरिज होम गोपालपुरा, मुरैना में सायंकाल 3:00 बजे किया जायेगा। इस अवसर पर अग्रवाल संघ के प्रदेश अध्यक्ष मुन्नालाल अग्रवाल, जिलाध्यक्ष अग्रवाल संघ रामदास अग्रवाल, जिला महामंत्री अग्रवाल संघ राजेश मित्तल, अध्यक्ष युवा अग्रवाल संघ राहुल गोयल ने सभी वैश्य बंधुओं से आग्रह किया है कि उक्त सम्मान समारोह में सह परिवार सम्मिलित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएँ।

खास खबर दतिया उपचुनाव की जीत का 'इनाम'

भाजपा के पूर्व नेता को कांग्रेस ने प्रदेश महासचिव की दी जिम्मेदारी

भोपाल। अजयभारत न्यूज

दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद पार्टी ने बड़ा संगठनात्मक संदेश दिया है। भाजपा छोड़कर कांग्रेस में आए पूर्व नेता अवधेश नायक को प्रदेश कांग्रेस का महासचिव नियुक्त किया गया है। इसे दतिया उपचुनाव में उनकी सक्रिय भूमिका और पार्टी के प्रति लगातार दिखाई गई निष्ठा का पुरस्कार माना जा रहा है। अवधेश नायक का राजनीतिक सफर पिछले तीन वर्षों में कई उतार-चढ़ाव से गुजरा। भाजपा छोड़कर वर्ष 2023 में कांग्रेस में शामिल होने के बाद पार्टी ने उन्हें विधानसभा चुनाव लड़ाने का मन बनाया था। उनको टिकट दे दिया गया था, लेकिन अंतिम समय में कांग्रेस ने टिकट बदलते हुए राजेंद्र भारती को उम्मीदवार बना दिया। इसके बावजूद नायक ने कोई सार्वजनिक नाराजगी नहीं दिखाई और पार्टी के साथ बने रहे।

उपचुनाव में दावेदार, लेकिन नहीं मिला टिकट

दतिया उपचुनाव में भी अवधेश नायक का नाम कांग्रेस के संभावित प्रत्याशियों में सबसे आगे माना जा रहा था। हालांकि पार्टी ने अंततः घनश्याम सिंह पर भरोसा जताया। दूसरी बार टिकट नहीं मिलने के बावजूद नायक चुनाव मैदान से दूर नहीं हुए। उन्होंने पूरे चुनाव अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई और विशेष रूप से ब्राह्मण समाज के बीच कांग्रेस के पक्ष में माहौल बनाने की जिम्मेदारी संभाली। चुनाव के दौरान उनकी सभाओं, बैठकों और जनसंपर्क अभियान को कांग्रेस की रणनीति का अहम हिस्सा माना गया।

पार्टी ने सक्रियता का किया सम्मान

दतिया उपचुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद पार्टी नेतृत्व ने संगठन में बदलाव की शुरुआत करते हुए अवधेश नायक को प्रदेश महासचिव की जिम्मेदारी सौंप दी। इसे न केवल उनकी सक्रियता का सम्मान माना जा रहा है, बल्कि यह संदेश भी माना जा रहा है कि पार्टी उन नेताओं को महत्व दे रही है, जिन्होंने व्यक्तिगत दावेदारी से ऊपर उठकर संगठन के लिए काम किया।

भिंड में पटवारियों का अनिश्चितकालीन धरना

7 दिन में मांगों पर सुनवाई न होने पर सामूहिक अवकाश की चेतावनी

भिण्ड। अजयभारत न्यूज

भिंड जिले में पटवारियों ने अपनी वर्षों से लंबित 5 सूत्रीय मांगों के तत्काल निराकरण की मांग को लेकर तहसील कार्यालय में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। मध्य प्रदेश पटवारी संघ (जिला भिण्ड) के बैनर तले आयोजित इस धरने में शामिल पटवारियों ने चेतावनी दी है कि यदि सात दिनों के भीतर उनकी मांगों पर सुनवाई नहीं हुई तो वे सामूहिक अवकाश पर चले जाएंगे।

संघ के जिला अध्यक्ष विनायक सिंह तोमर और जिला सचिव सौरभ भदौरिया के नेतृत्व में मुख्यमंत्री और कलेक्टर के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया है। इस ज्ञापन में प्रमुखता से कैडर रिव्यू और पदोन्नतिध्समयमान वेतनमान की मांग की गई है। पटवारियों का कहना है कि शासन स्तर पर लंबित कैडर रिव्यू प्रस्ताव को तत्काल लागू किया जाना चाहिए। इसके साथ ही, पदोन्नति का लाभ मिलने तक, पदोन्नति पद के सापेक्ष समयमान वेतनमान शीघ्र स्वीकृत करने की मांग भी उठाई गई है।

संघ की एकजुटता और भविष्य की रणनीति

धरना प्रदर्शन के दौरान कार्यकारी जिलाध्यक्ष प्रभाकर नरवरिया, दिनकर शर्मा, राहुल शर्मा, रजनीश दीक्षित, सौरभ भदौरिया, धर्मेंद्र पिप्पल, अनुज, पल्लवी शर्मा, सविता सेंगर, पूर्वा, रेखा सहित बड़ी संख्या में जिले के पटवारी उपस्थित रहे। यह एकजुटता उनकी मांगों के प्रति गंभीरता को दर्शाती है। संगठन ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी प्रमुख मांगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक यह धरना जारी रहेगा।

विभागीय परीक्षा और मानदेय भुगतान की मांगें

पटवारियों ने नायब तहसीलदार पद के लिए विभागीय परीक्षा को लेकर भी अपनी चिंता व्यक्त की है। विगत 25 वर्षों में यह परीक्षा केवल एक बार (2018 में) आयोजित की गई है। संघ का आग्रह है कि इस विभागीय परीक्षा को शीघ्र पुनरू आयोजित कराया जाए और इसका पाठ्यक्रम पूरी तरह से राजस्व विषयों पर आधारित हो। इसके अतिरिक्त, धरना प्रदर्शन में जज प्रोटेक्शन एक्ट के तहत पटवारियों को भी शामिल करने की मांग की गई है। एक अन्य महत्वपूर्ण मांग स्वामित्व योजना, कृषि संगणना, लघु सिंचाई संगणना और फार्मर आईडी कैंप जैसी विभिन्न सरकारी योजनाओं के लिए वर्षों से रुके हुए मानदेय का तुरंत भुगतान करने की है। पटवारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि लंबित मानदेय का भुगतान नहीं किया गया तो वे आगामी योजनाओं के बहिष्कार की चेतावनी भी देते हैं।

यामाहा मोटर्स इंडिया प्रा.लि. एवं न्यू हॉलैंड ट्रैक्टर द्वारा आईटीआई भिण्ड में कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन 13 अगस्त को

भिण्ड। अजयभारत न्यूज

शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था भिण्ड के प्राचार्य श्री पुष्कर बंसल ने बताया है कि यामाहा मोटर्स इंडिया प्रा.लि. (ग्रेटर नोएडा प्लांट) द्वारा एनएपीएस अप्रेंटिसशिप हेतु 13 अगस्त 2026 (सोमवार) प्रातः 10रू00 बजे से शासकीय संभागीय आईटीआई भिण्ड परिसर में कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जाएगा।

इस प्लेसमेंट ड्राइव में लगभग 100 अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों को 17,200 प्रतिमाह (15,200 बेसिक, ?500 अटेंडेंस बोनस एवं ?1,500 डीबीटी) स्टाइपेंड प्रदान किया जाएगा। इंटरव्यू के अगले दिन ही जॉइनिंग की सुविधा रहेगी।

इस भर्ती में 2021 से 2026 तक उत्तीर्ण पुरुष आईटीआई प्रशिक्षार्थी भाग ले सकते हैं। अभ्यर्थी का आधार कार्ड में दर्ज पता ग्रेटर नोएडा से 150 किलोमीटर की परिधि के भीतर होना आवश्यक है तथा अभ्यर्थी शारीरिक रूप से फिट होना चाहिए।

मान्य ट्रेडों में फिटर, टर्नर, मशीनिस्ट, वेल्डर, पेंटर, डीजल मैकेनिक, मशीन ऑपरेटर, टूल एंड डाई मेकर, मैकेनिक मोटर व्हीकल, इलेक्ट्रिशियन, इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक, रेफ्रिजरेशन एवं ए.सी. मैकेनिक, ड्राफ्ट्समैन मैकेनिकल, शीट मेटल वर्कर, पंप ऑपरेटर सहित अन्य संबंधित ट्रेड शामिल हैं।

प्राचार्य श्री पुष्कर बंसल ने सभी पात्र प्रशिक्षार्थियों एवं आईटीआई उत्तीर्ण युवाओं से निर्धारित तिथि एवं समय पर अपने समस्त मूल प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, अंकसूची, पासपोर्ट आकार के फोटो एवं बायोडाटा सहित उपस्थित होकर इस रोजगार अवसर का लाभ उठाने की अपील की है। अधिक जानकारी हेतु 82258 70565 एवं 95360 13983 पर संपर्क किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

मालनपुर स्वास्थ्य केंद्र परिसर में लगाए गए पौधे

मालनपुर। एमपी हाईवे एस एवं पीएसी द्वारा विभिन्न स्थानों जैसे कि फूफ थाने से लेकर हजीरा थाने तक एवं एस डी एम कार्यालय मेहगांव पौधारोपण कराया जा रहा है इसमें आज मालनपुर उप स्वास्थ्य केंद्र में 50 से 60 के लगभग पौधे लगाए गए जिसमें डॉक्टर मोहनीश तोमर ने बताए पेड़ की फायदे पेड़ पृथ्वी पर जीवन का आधार हैं। इनसे हमें जीने के लिए शुद्ध ऑक्सीजन, फल, फूल, लकड़ी, औषधियां और ठंडी छाया मिलती है। ये पर्यावरण को साफ रखते हैं, बारिश लाते हैं, मिट्टी का कटाव रोकते हैं और पशु-पक्षियों को घर देते हैं।जानें कि कैसे पेड़ हमारे जीवन को बचाते हैं और पर्यावरण का संतुलन बनाए रखते हैं। पर्यावरण और जलवायु के लिए लाभ ऑक्सीजन देना- पेड़ कार्बन डाइऑक्साइड लेते हैं और हमें सांस लेने के लिए शुद्ध ऑक्सीजन देते हैं। प्रदूषण कम करना- हवा की धूल और हानिकारक धुआं सोखकर हवा को साफ करते हैं। वर्षा में सहायकरू पेड़ बादलों को आकर्षित करते हैं और बारिश लाने में मदद करते हैं। तापमान नियंत्रण- गर्मी कम करते हैं और आसपास के इलाके को ठंडा रखते हैं। प्रकृति और जीवों के लिए लाभमिट्टी बचानारू पेड़ों की जड़ें मिट्टी को मजबूती से बांधकर रखती हैं जिससे बाढ़ में मिट्टी नहीं बहती। आश्रय देना- कई पशुओं, कीटों और पक्षियों का घर और भोजन का मुख्य स्रोत हैं।जल संरक्षणरू वर्षा के पानी को जमीन के अंदर भेजने और भूजल स्तर को बढ़ाने में मदद करते हैं। मनुष्य के लिए आर्थिक और स्वास्थ्य लाभकच्चा माल- लकड़ी, कागज, रबर, गोंद और रेशे जैसी जरूरी चीजें मिलती हैं। औषधियां- नीम, तुलसी, और अश्वगंधा जैसे पौधों से जीवन बचाने वाली दवाइयां बनती हैं। मानसिक शांतिरू हरियाली तनाव कम करती है और मन को शांति देती है। यदि आप अपने घर या आसपास पौधे लगाना चाहते हैं विभिन्न प्रकार की पौधे लगाए गए जैसे नींद बरगद जामुन बेलपत्र जामफल अनार एवं अन्य छायादार पौधों का रोपण किया गया।

बौरेश्वर महादेव मंदिर में पुजारी के पद पर नियुक्ति हेतु 20 अगस्त तक आवेदनध्आपत्ति आमंत्रित

भिण्ड। उच्च न्यायालय की ग्वालियर खंडपीठ ने ग्राम पंचायत दुल्हागन तहसील अटेर जिला भिण्ड स्थित बौरेश्वर महादेव मंदिर में पुजारी के पद पर नियुक्ति के संबंध में याचिकाकर्ता कल्लू शर्मा पुजारी द्वारा दायर याचिका में उपखंड अधिकारी को याचिकाकर्ता सहित अन्य सभी पात्र अभ्यर्थियों को उचित सुनवाई का अवसर प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। निर्देशानुसार बौरेश्वर महादेव मंदिर में पुजारी के पद पर नियुक्ति लागू शासकीय परिपत्रों तथा प्रचलित विधिक प्रावधानों के अनुसार दो सप्ताह के भीतर पूर्ण किए जाने के निर्देश हैं, जिसमें उपखण्ड अधिकारी स्वतंत्र रूप से निर्णय करेंगे। न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अनुभाग अटेर द्वारा तहसील अटेर की सर्वसाधारण जनता को सूचित किया गया है कि योग्यता एवं शासन से निर्धारित किये गये मापदण्ड के नियमों सहित पूर्व पुजारी एवं अन्य व्यक्ति दिनांक 20ध08ध2026 तक आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन अथवा आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा। विज्ञप्ति की एक-एक प्रति न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी अटेर, न्यायालय तहसीलदार अटेर, न्यायालय नायब तहसीलदार सुरपुरा, सीईओ जनपद पंचायत अटेर और ग्राम पंचायत दुल्हागन के नोटिस बोर्ड तथा बौरेश्वर महादेव मंदिर के प्रांगण में चस्पा की गई है।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय बिरखड़ी, रौन में कक्षा 6 में प्रवेश हेतु ऑनलाइन फार्म भरने की अंतिम तिथि बढ़ाकर की गई 7 अगस्त

चयन परीक्षा 28 नवम्बर को होगी आयोजित

भिण्ड। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय बिरखड़ी, रौन में कक्षा 6 में प्रवेश हेतु जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा-2027 में सम्मिलित होने हेतु ऑनलाइन फार्म भरने की अंतिम दिनांक 31 जुलाई 2026 थी। जिसे अब बढाकर अंतिम तिथि 07 अगस्त 2026 की गई है एवं चयन परीक्षा दिनांक 28 नवम्बर 2026 को आयोजित की जायेगी। चयन परीक्षा से संबंधित अधिक जानकारी के लिए ूएदंअवकलंएहवअएपद एवं ीजजचेरूध्ध्बइेमपजउेण्तबपसणहवअण्पदध्दअे देख सकते है।

मुख्य बाजार की जर्जर सड़कों के निर्माण की मांग को लेकर कैट संस्था ने सीएमओ को सौंपा ज्ञापन

शिवपुरी। शहर के मुख्य बाजार की जर्जर एवं क्षतिग्रस्त सड़कों की समस्या को लेकर कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) शिवपुरी के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कैट मध्यप्रदेश पवन जैन (पी.एस.) से चर्चा उपरांत मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने शहर के प्रमुख बाजारों में लंबे समय से खराब पड़ी सड़कों का शीघ्र निर्माण एवं कोर्ट रोड के नवीन डामरीकरण की मांग उठाते हुए जल्द कार्य प्रारंभ कराने का आग्रह किया। ज्ञापन में बताया गया कि सदर बाजार से कस्टम गेट तक का मार्ग, इसी मार्ग पर स्थित राठौर मोहल्ले की सड़क, प्रगति बाजार की मुख्य सड़क तथा कोर्ट रोड अत्यंत जर्जर एवं गड्ढों से भरे हुए हैं। इन सड़कों के कारण व्यापारियों, आम नागरिकों एवं राहगीरों को प्रतिदिन भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के मौसम में स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। कैट पदाधिकारियों ने सीएमओ से इन मार्गों का शीघ्र निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत एवं कोर्ट रोड का नवीन डामरीकरण कराने की मांग की। साथ ही उन्होंने कहा कि वर्तमान सीएमओ के कार्यभार संभालने के बाद नगर पालिका की कार्यप्रणाली में सकारात्मक बदलाव देखने को मिले हैं और उन्हें विश्वास है कि जनहित के इस महत्वपूर्ण कार्य को भी प्राथमिकता के साथ पूरा कराया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य बाजार के व्यापारियों ने भी अपनी समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया। कृष्ण मोहन (बंटी काका), रमन अग्रवाल एवं गौरव खंडेलवाल ने बाजार क्षेत्र की अन्य मूलभूत समस्याओं की जानकारी देते हुए उनके शीघ्र निराकरण की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में कैट के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन जैन (पी.एस.), जिला अध्यक्ष गंगाधर गोयल, जिला महासचिव सौरभ सांखला, जिला कोषाध्यक्ष गिरीश जैन, जिला संगठन मंत्री गोपेन्द्र जैन ,सुनील बिसानी, पवन शर्मा, रघुवीर गुप्ता, अर्पित बंसल एवं राजेंद्र राठौर सहित अन्य व्यापारी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। ज्ञापन के माध्यम से सभी ने नगर पालिका से जनहित में शीघ्र सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्य प्रारंभ कराने की मांग की।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान आज

शिवपुरी। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिले के सभी विकासखंडों एवं नगरीय निकायों में 07 अगस्त से 08 जनवरी 2027 तक मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के निर्देशन में जिले के सभी विकासखंडों एवं नगरीय निकायों में नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान और शासकीय योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से निर्धारित तिथियों पर जनसंवाद शिविर आयोजित किए जा रहे है। इसी क्रम में अभियान का पहला जनसंवाद शिविर 7 अगस्त (शुक्रवार) को जनपद पंचायत प्रांगण, खनियाधाना में आयोजित किया जाएगा। शिविर में प्रशासनिक टीम सीधे जनता के बीच पहुँचकर आम नागरिकों की शिकायतों को सुनेगी और मौके पर ही उनका निराकरण किया जाएगा। इसके साथ ही विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। अभियान के दौरान उद्यम संवाद के जरिए स्थानीय सूक्ष्म, लघु, मध्यम और कुटीर उद्यमियों की लंबित स्वीकृतियों व समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान किया जाएगा।

संजीव नायक बने भाजपा खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक

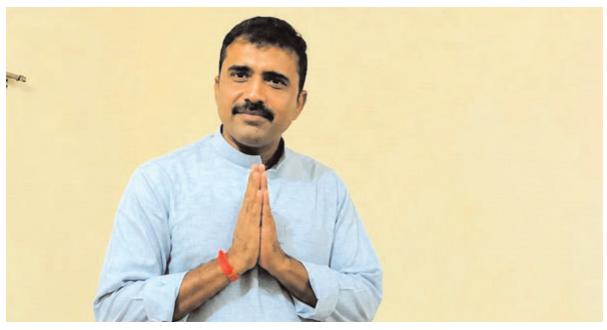

भिण्ड। अजयभारत न्यूज

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति एवं प्रदेश संयोजक मान सिंह यादव द्वारा संगठन की अनुशंसा पर भाजपा खेल प्रकोष्ठ की प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की गई। इस कार्यकारिणी में लहार क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता, मैराथन रनर एवं अधिवक्ता संजीव नायक को भाजपा खेल प्रकोष्ठ का प्रदेश सह संयोजक नियुक्त किया गया है। संजीव नायक की नियुक्ति पर लहार विधानसभा क्षेत्र सहित संपूर्ण भिंड जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों में हर्ष का वातावरण है। कार्यकर्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके संगठनात्मक अनुभव, सामाजिक सक्रियता एवं खेलों के प्रति समर्पण से प्रदेश में खेल प्रकोष्ठ को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी।

नियुक्ति के उपरांत संजीव नायक ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का वे पूरी निष्ठा, समर्पण एवं प्रतिबद्धता के साथ निर्वहन करेंगे तथा खेलों के माध्यम से युवाओं को संगठन और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का निरंतर प्रयास करेंगे।

नियुक्ति के उपरांत संजीव नायक ने पार्टी नेतृत्व, लहार विधायक अम्बरीष शर्मा एवं जिला संगठन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का वे पूरी निष्ठा, समर्पण एवं प्रतिबद्धता के साथ निर्वहन करेंगे तथा खेलों के माध्यम से युवाओं को संगठन और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का निरंतर प्रयास करेंगे।

सीएमएचओ भिण्ड ने किया 15 महिला स्वास्थ्य कर्मचारियों के दो दिवस का वेतन राजसात

दस्तक अभियान में भ्रामक डेटा प्रविष्टि करने पर हुई कार्रवाई

भिण्ड। अजयभारत न्यूज

दस्तक अभियान के अंतर्गत डीडीएस टूल पोर्टल पर दर्ज किए गए आंकड़ों की राज्य स्तर पर समीक्षा के दौरान कुछ स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा वास्तविक फील्ड कार्य के अनुरूप जानकारी दर्ज न करते हुए भ्रामक एवं त्रुटिपूर्ण डेटा प्रविष्टि किए जाने का मामला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भिण्ड के संज्ञान में आया।

शासन द्वारा आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रारंभ की गई है। इसी क्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भिण्ड द्वारा संबंधित 15 महिला एएनएम कर्मचारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करते हुए उनके विरुद्ध दो दिवस का वेतन राजसात किए जाने की कार्रवाई की गई है तथा तीन दिवस के भीतर तथ्यात्मक लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिन कर्मचारियों के विरुद्ध यह कार्रवाई की गई है उनमें श्रीमती संध्या शर्मा (क्यारीपुरा, अटेर), श्रीमती मुन्नी कुशवाह (रसनौल, गोहद), श्रीमती ऊषा प्रजापति (किटी, गोहद), श्रीमती अनीता कुशवाह (जैतपुरा मढ़ी, रौन), सुश्री फरीदा कुरैशी (रौन), सुश्री प्रभावती भदौरिया (इंदुखी, रौन), सुश्री सुनीता नागर (गहेली, मेहगॉव), श्रीमती सीमा नरवरिया (कतरौल, मेहगांव), श्रीमती नीलम बाजपेयी (शहरी क्षेत्र भवानीपुरा), श्रीमती रिंकी (कनाथर, मेहगॉव), श्रीमती प्रियंका (एसएचसी खेरिया थापक), श्रीमती ममता शर्मा (एसएचसी कन्हारी), श्रीमती अनीता श्रीवास्तव (सुकाण्ड, मेहगॉव), श्रीमती ममता सुमन (मुस्तरा, मेहगॉव) तथा श्रीमती लक्ष्मी चौहान (मिहोना) शामिल हैं।

कार्यालय द्वारा स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित अवधि में संतोषजनक स्पष्टीकरण प्राप्त नहीं होने अथवा स्पष्टीकरण असंतोषजनक पाए जाने की स्थिति में संविदा कर्मचारियों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मैनुअल-2025 के प्रावधानों के अनुसार एवं नियमित कर्मचारियों का मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण), नियम 1965 के अंतर्गत नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यावाही की जाएगी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.एस. यादव ने सभी स्वास्थ्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि फील्ड में दिये गये लक्ष्य की शत्-प्रतिशत पूर्ति कर पोर्टल पर डेटा प्रविष्टि सुनिश्चित करें। किसी भी प्रकार की फर्जी, भ्रामक अथवा तथ्यविहीन जानकारी दर्ज किए जाने पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड द्वारा शासकीय संभागीय आईटीआई भिण्ड में कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन 12 अगस्त को

भिण्ड । प्राचार्य शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था भिण्ड ने जानकारी दी है कि देश की अग्रणी यात्री वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (गुजरात प्लांट) द्वारा 12 अगस्त 2026 (बुधवार) प्रातः 10 बजे शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, भिण्ड परिसर में ओपन कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है। इस प्लेसमेंट ड्राइव में 2018 से 2026 आईटीआई पास प्रशिक्षणार्थी तथा 2026 बैच के अंतिम वर्ष के प्रशिक्षणार्थी भाग ले सकते हैं। अभ्यर्थियों की आयु जॉइनिंग के समय 18 से 24 वर्ष होना चाहिए। 10वीं में न्यूनतम 40 प्रतिशत तथा आईटीआई में 50 प्रतिशत अंक आवश्यक हैं। अभ्यर्थी शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। यह अवसर मोटर मैकेनिक, डीजल मैकेनिक, ट्रैक्टर मैकेनिक, मशीनिस्ट, इलेक्ट्रीशियन, फिटर, टर्नर, वेल्डर, पेंटर, वायरमैन, शीट मेटल, सीओई (ऑटोमोबाइल), इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक, टूल एंड डाई एवं पीपीओ ट्रेड के अभ्यर्थियों के लिए उपलब्ध है। चयनित अभ्यर्थियों को कंपनी द्वारा 28,300 प्रतिमाह (एफटीसी-सीटीसी), अप्रेंटिसशिप अवधि में 21,200 प्रतिमाह स्टाइपेंड, सब्सिडी युक्त भोजन एवं छात्रावास, यूनिफॉर्म, पीपीई, सुरक्षा जूते तथा कंपनी की नियमानुसार अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

20 प्रकरण दर्ज, 09 लाख 72 हजार रुपये से अधिक की शास्ती अधिरोपित

अधिक मूल्य पर मदिरा बिक्री पर आबकारी विभाग की बड़ी कार्यवाही

शिवपुरी। अजयभारत न्यूज

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार आबकारी विभाग द्वारा अवैध गतिविधियों तथा अनियमितताओं के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जिले की फुटकर मदिरा दुकानों द्वारा शासन द्वारा निर्धारित नियमों की अवहेलना कर न्यूनतम विक्रय मूल्य (एम.एस.पी.) से कम तथा अधिकतम विक्रय मूल्य (एम.आर.पी.) से अधिक दरों पर मदिरा बेचे जाने की शिकायतों को अत्यंत गंभीरता से लिया गया है। कलेक्टर श्री वर्मा के स्पष्ट निर्देशों के परिपालन में आबकारी विभाग ने जिले भर में त्वरित व प्रभावी कार्रवाई करते हुए उपभोक्ताओं का शोषण करने वाली और वित्तीय अनियमितता बरतने वाली दुकानों के खिलाफ कुल 20 गंभीर प्रकरण दर्ज किए हैं। जिला आबकारी अधिकारी शुभम दांगोड़े के नेतृत्व में आबकारी विभाग की टीमों द्वारा जिले भर की फुटकर मदिरा दुकानों पर विशेष जांच अभियान चलाया गया। निरीक्षण के दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर अधिकतम विक्रय मूल्य से अधिक मूल्य पर मदिरा विक्रय के 16 प्रकरण तथा न्यूनतम विक्रय मूल्य से कम मूल्य पर विक्रय के 04 प्रकरण दर्ज किए गए। दर्ज किए गए कुल 20 प्रकरणों में से 09 प्रकरणों में लाइसेंसियों पर 9 लाख 72 हजार 168 रुपये की शास्ती अधिरोपित की जा चुकी है। वहीं, शेष 11 प्रकरणों में 11 लाख 56 हजार 33 रुपये की शास्ती अधिरोपण की कार्रवाई जारी है। जिला आबकारी अधिकारी श्री दांगोड़े ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित मूल्य पर ही मदिरा उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है। उन्होंने चेतावनी दी है कि निर्धारित दरों का उल्लंघन करने वाले लाइसेंसियों के विरुद्ध आगे भी कड़ी दंडात्मक कार्रवाई जारी रहेगी।

श्री गणेश सांस्कृतिक समिति न्यू ब्लॉक का भव्य पुरस्कार वितरण समारोह 14 अगस्त को

समिति की बैठक आयोजित, सेवाभावियों का भी किया जाएगा सम्मान

शिवपुरी। अजयभारत न्यूज

श्री गणेश सांस्कृतिक समिति, न्यू ब्लॉक, शिवपुरी द्वारा गणेशोत्सव के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं का भव्य पुरस्कार वितरण समारोह 14 अगस्त को परिणय वाटिका, शिवपुरी में सायं 7 बजे आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही मंगलम बाल गृह, दुर्गा वाहिनी शिवपुरी, मंगलम योग केंद्र, सभी खानपान एवं जलपान समितियों, पत्रकार एवं मीडिया प्रतिनिधियों का भी विशेष सम्मान किया जाएगा। इस आयोजन की तैयारियों को लेकर गत दिवस समिति कार्यालय पर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता श्री गणेश सांस्कृतिक समिति अध्यक्ष तेजमल सांखला ने की। बैठक में श्याम सुंदर राठौर, ब्रज दुबे, सौरभ सांखला, अमित गुप्ता, दिनेश गर्ग (गुड्डे), राजीव शर्मा एवं राजू यादव ग्वाल सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में पुरस्कार वितरण समारोह की रूपरेखा, अतिथि व्यवस्था एवं कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। श्री गणेश सांस्कृतिक समिति ने सभी विजेताओं, प्रतिभागियों एवं शहरवासियों से आगामी 14 अगस्त को आयोजित होने वाले पुरस्कार वितरण समारोह में उपस्थित होकर प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

विश्व मंगल्य सभा का भव्य सावन मेला एवं मातृशक्ति सम्मान समारोह का आयोजन 8 अगस्त को

शिवपुरी। अजयभारत न्यूज

विश्व मंगल्य सभा, शिवपुरी द्वारा सावन माह के पावन अवसर पर 8 अगस्त को एक भव्य सावन मेला एवं मातृशक्ति सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन दोपहर 12 बजे से होटल शगुन वाटिका, शिवपुरी में होगा। कार्यक्रम में प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क रहेगा तथा समस्त शिवपुरीवासियों को सपरिवार आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में उत्कृष्ट कार्य कर रही महिलाओं का सम्मान करना तथा सावन उत्सव को सांस्कृतिक एवं सामाजिक स्वरूप प्रदान करना है। समारोह में कला, समाजसेवा, साहित्य, पत्रकारिता एवं अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देकर शिवपुरी का नाम गौरवान्वित करने वाली महिलाओं को मातृशक्ति सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। मेले में हस्तशिल्प, परिधान, खाद्य पदार्थ, सजावटी सामान सहित सावन एवं त्योहारों से जुड़े विभिन्न आकर्षक स्टॉल लगाए जाएंगे। इसके साथ ही खरीदारी, सम्मान और सांस्कृतिक माहौल का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। आयोजकों ने शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर सावन उत्सव को यादगार बनाने की अपील की है। स्टॉल बुकिंग एवं अन्य जानकारी के लिए 8269690463 पर संपर्क किया जा सकता है।

खास खबर

हैप्पीडेज स्कूल की छात्र परिषद का वार्षिक अलंकरण समारोह

शिवम यादव हैडबॉय तो काजल यादव बनी हैडगर्ल

शिवपुरी। अजयभारत न्यूज

जिला मुख्यालय पर एबी रोड़ स्थित हैप्पीडेज हायर सेकेंडरी स्कूल की छात्र परिषद का वार्षिक अलंकरण समारोह विद्यालय संचालिका श्रीमती गीता दीवान और विद्यालय प्राचार्य विनय श्रीवास्तव के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। हैप्पीडेज स्कूल के स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट से गिर्राज शर्मा ने बताया कि विद्यालय द्वारा इस अवसर पर 22 सदस्यीय स्टूडेंट काउंसिल का गठन किया गया। इस अवसर पर सभी काउंसिल मेंबर को बैज एवं शैशे पहनाकर मुख्य अतिथि के द्वारा अलंकृत किया गया। विद्यालय के कक्षा 12वीं के छात्र शिवम यादव को हेडबॉय एवं काजल यादव को हैडगर्ल चुना गया। स्पोर्ट्स कैप्टन के रूप में अयान खान एवं जूनियर स्पोर्ट्स कैप्टन युवराज धाकड़ का चयन किया गया जबकि वंशिका व्यास एवं निहाल सोनी को एक्टिविटी कैप्टेन की जिम्मेदारी सौंपी गई। विद्यालयीन गतिविधियों को पांच हाउस के माध्यम से संचालित किया जाता है, हाउस कैप्टन के रूप में गंगा हाउस से आकाश पाल, गोदावरी हाउस से कृष्णा सिकरवार, कावेरी हाउस से शिवम रावत, नर्मदा हाउस से झलक यादव और यमुना हाउस से वरुण गौर का चयन कर अतिथियों के द्वारा बेजेस प्रदान किए गए। स्कूल डायरेक्टर श्रीमती गीता दीवान के द्वारा सभी काउंसिल मेंबर को पद एवं कर्त्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई। समारोह का समापन विद्यालय प्राचार्य के उत्साहपूर्ण भाषण एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम में बैंड की शानदार प्रस्तुति विद्यालय के छात्र देव घोसी, राघव गुप्ता, कान्हा शर्मा, उज्जवल शिवहरे और हरसुल धाकड़ के द्वारा दी गई। एनसीसी कैडेट कमरजोत सिंह और राहुल यादव का इस समारोह में विशेष योगदान रहा।

मुख्यमंत्री जन विश्वास कार्यक्रम आज सभी तैयारियां पूरी

झुण्डपुरा। अजय भारत न्यूज

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर लोकेश जांगिड़ द्वारा जिले में जनसंवाद शिविरों का रोस्टर जारी किया गया है। अभियान का आयोजन 07 अगस्त 2026 से 08 जनवरी 2027 तक प्रत्येक शुक्रवार किया जाएगा। इन शिविरों के माध्यम से शासन-प्रशासन आमजन से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं एवं शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करेगा। जारी रोस्टर के अनुसार प्रथम जनसंवाद शिविर 7 अगस्त को विकासखण्ड सबलगढ के झुण्डपुरा में आयोजित होगा, इसके लिए अनुविभागीय अधिकारी सबलगढ़ के निर्देशन में सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है।प्रति शुक्रवार आमजन के बीच पहुंचेगा प्रशासन, क्षेत्र भ्रमण, जन-संवाद और शिकायतों के त्वरित निराकरण पर रहेगा विशेष फोकस तथा आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों का मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। जिला प्रशासन ने नागरिकों से निर्धारित तिथि एवं स्थान पर आयोजित जनसंवाद शिविरों में उपस्थित होकर शासन की योजनाओं का लाभ लेने तथा अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए सहभागिता करने की अपील की है।

अधिकारियों ने किया कार्यक्रम स्थल का मुआयना

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सबलगढ़ मेघा तिवारी के निर्देशन में तहसीलदार सबलगढ़ रवीश भदौरिया राजस्व निरीक्षक विश्राम सोलंकी नपा अध्यक्ष मनीषा बल्ली सोनी मुख्य नगरपालिका अधिकारी अशोक कुमार वाल्मीकि उपयंत्री संदीप त्यागी ने बारिश होने पर वैकल्पिक कार्यक्रम स्थल हायर सेकेण्डरी विद्यालय का मौका मुआयना कर अधीनस्थ कर्मचारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने दिशा-निर्देश दिए।

एस डी एम तहसीलदार अध्यक्ष ने बनबाई व्यवस्थाएं

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघा तिवारी तहसीलदार रवीश भदौरिया अध्यक्ष मनीषा बल्ली सोनी उपयंत्री संदीप त्यागी ने सामने खड़े होकर कार्यक्रम की समस्त व्यवस्थाएं चाक चौबंद कर सभी इंतजाम सुगमतापूर्वक किए।इस अवसर पर स्टाफ थाना प्रभारी ऋषिकेश शर्मा, अनिल कुमार, विनोद बाथम हेमंत शर्मा बाबू सिंह विश्राम सोलंकी आदित्य व्यास राजस्व दुर्गेश सिंह महेश वाल्मीकि आदि सभी विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे ।

नगर निगम मुरैना की लंबित शिकायतों पर हुई चर्चा, उचित कार्रवाई का आश्वासन

ज्ञापन-प्रदर्शन कार्यक्रम अस्थायी रूप से स्थगित

मुरैना। अजय भारत न्यूज

नगर निगम मुरैना में लंबे समय से लंबित जन-शिकायतों एवं पूर्व में दिए गए ज्ञापनों पर उचित कार्रवाई की मांग को लेकर गुरुवार को पूर्व पार्षद दिलीप सिंह राठौर के साथ प्रतिनिधि मंडल ने नगर निगम प्रशासन के साथ कमिश्नर कार्यालय में विस्तृत चर्चा की।

बैठक में शहर की साफ-सफाई, जल निकासी, पेयजलापूर्ति अतिक्रमण, स्ट्रीट लाइट, प्रधानमंत्री आवास योजना होकर्स, घटिया सड़क निर्माण कायाकल्प योजना एवं अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़ी लंबित समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया।

नगर निगम प्रशासन आयुक्त महोदय ने सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुना और कार्यपालन यंत्री,सहायक यंत्री, उपमंत्री, संबंधित शाखाओं के प्रभारियों को निर्देशित कर कहा कि जांच उपरांत दोषियों पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। प्रशासन ने यह भी कहा कि लंबित प्रकरणों का निराकरण तय समय-सीमा में किया जायेगा।

नगर निगम प्रशासन से सकारात्मक चर्चा एवं उचित कार्रवाई के लिखित आश्वासन के उपरांत, प्रतिनिधि मंडल द्वारा प्रस्तावित ज्ञापन-प्रदर्शन कार्यक्रम को अस्थायी रूप से स्थगित करने का निर्णय लिया गया है।

प्रतिनिधि मंडल ने स्पष्ट किया कि यदि तय समय में कार्रवाई नहीं हुई तो पुर्व पार्षद दिलीप सिंह राठौर द्वारा जनहित में पुनः आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। हमारा उद्देश्य टकराव नहीं, समाधान है ।

छुट्टी पर घर आए सेना के जवान ने पत्नी के सिर में मारी दो गोली

मुरैना। अजय भारत न्यूज

अम्बाह क्षेत्र में छुट्टी पर आए सेना के एक जवान ने कथित तौर पर अपनी लाइसेंसी पिस्टल से पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने बताया कि घटना अम्बाह थाना क्षेत्र के खजुरी रोड की है।

आरोपी सोनू सिकरवार ने बुधवार देर रात अपनी पत्नी रानी (33) के सिर में दो गोलियां दाग दीं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर मुरैना पुलिसमौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।पुलिस ने बताया कि आरोपी सेना का जवान है और करीब 10 दिन पहले ही छुट्टी पर घर आया था। प्रारंभिक जांच में घटना से पहले पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद होने की जानकारी सामने आई है।

लायन्स क्लब मुरैना समन्वय के नौवें शपथ ग्रहण समारोह 'उड़ान' का भव्य आयोजन

मुरैना। अजय भारत न्यूज

द इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ लायन्स क्लब्स के डिस्ट्रिक्ट 3233-E1 के अन्तर्गत लायन्स क्लब मुरैना समन्वय का नौवाँ शपथ ग्रहण समारोह 'उड़ान' (सत्र 2026-27) अग्रवाल सेवा सदन, टी.आर. पुरम, मुरैना में गरिमामय एवं भव्य वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में समाजसेवा, नेतृत्व और संगठन के नए संकल्पों के साथ नई कार्यकारिणी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण की।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा पर माल्यार्पण, दीप प्रज्ज्वलन और गणेश वंदना के साथ हुआ। निवर्तमान अध्यक्षा एमजेएफ लायन डॉ. मीरा बांदिल ने सभा के औपचारिक शुभारंभ की घोषणा की। ध्वज वंदना एवं राष्ट्रगान के साथ विश्व शांति के लिए प्रार्थना की गई।

इंस्टॉलेशन ऑफिसर पीडीजी एमजेएफ लायन अशोक ठाकुर ने वर्ष 2026-27 की नवीन कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। इस दौरान लायन मोनिका कंसाना ने अध्यक्ष, कमलेश सिंघल ने सचिव तथा पुष्पा राठी ने कोषाध्यक्ष पद की शपथ ग्रहण की। नई अध्यक्षा लायन मोनिका कंसाना ने क्लब की वार्षिक थीम 'उड़ान' पर प्रकाश डालते हुए समाजसेवा के नए संकल्पों की घोषणा की।

समारोह के की-नोट स्पीकर पीडीजी पीएमजेएफ लायन सुनील गोयल ने सेवा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व पर प्रेरक विचार व्यक्त किए। मुख्य अतिथि फर्स्ट वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एमजेएफ लायन आर.एस. मदान ने क्लब द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए नई टीम को शुभकामनाएं दीं। गेस्ट ऑफ ऑनर एमजेएफ रघुराज सिंह कंसाना ने समाजसेवा को सर्वोच्च मानवीय दायित्व बताया।

कार्यक्रम में पूर्व रीजन चेयरपर्सन रितु राठी, पूर्व जोन चेयरपर्सन हेमा सिंघल, रीजन चेयरपर्सन निधि गुप्ता, जोन चेयरपर्सन डॉ. मीरा बांदिल, फाउंडर प्रेसिडेंट मीना गुप्ता सहित विभिन्न लायन्स क्लबों के पदाधिकारी, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं शहर के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।समारोह का प्रभावी संचालन लायन बृजेंद्र गुप्ता एवं अंजी गुप्ता ने किया।

इस अवसर पर श्वेता गुप्ता, कल्पना सिंघल, प्रीति माडिल, रेखा गुप्ता, आरती कोठारी, बीना गुप्ता, रागिनी गर्ग, साधना गुप्ता, सपना मांडिल, शालू गोयल, डॉली वर्मा, सुनीता बांदिल, पूनम गंगिल, सुमन कंसाना, पद्मा शर्मा, इंद्रा सिंघल, गायत्री, मधु कंसाना, रेनू कंसाना, बबीता बांदिल, राखी कंसाना, दीप्ति गुप्ता, अर्चना बंसल, अनुपमा शर्मा, सुधा गर्ग सहित क्लब की सदस्याएं उपस्थित रहीं। अंत में आभार प्रदर्शन के साथ समारोह का समापन हुआ।

शिव मंदिर तक जाने से कतरा रहे श्रद्धालु

शहर के बीचों-बीच वन विभाग का जर्जर परिसर बना गंदगी का अड्डा

रवि उपाधय

सबलगढ़,(कासं) । शहर के प्रमुख एमएस रोड पर स्थित वन विभाग का पुराना अधिकारी आवास वर्षों से उपेक्षा का शिकार बना हुआ है। लगभग 6 से 7 वर्ष पहले तक इस भवन का उपयोग वन विभाग के अधिकारियों के आवास के रूप में किया जाता था, लेकिन वर्तमान में यह भवन पूरी तरह जर्जर और क्षतिग्रस्त हालत में खड़ा है। देखरेख के अभाव में पूरा परिसर गंदगी का अड्डा बन चुका है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि खाली पड़े इस परिसर का उपयोग असामाजिक तत्व खुले में लघुशंका के लिए करते हैं। चारों ओर फैली गंदगी और दुर्गंध के कारण यहां से निकलना भी मुश्किल हो गया है। परिसर में झाड़-झंखाड़ और कचरे के कारण मच्छर एवं मक्खियों का प्रकोप बढ़ रहा है, जिससे डेंगू, मलेरिया सहित अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका बनी हुई है।

सबसे गंभीर बात यह है कि इसी परिसर में शिव परिवार का मंदिर भी स्थित है। गंदगी और दुर्गंध के कारण श्रद्धालु मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए आने से कतराने लगे हैं। आसपास के नागरिकों का कहना है कि धार्मिक स्थल के आसपास इस प्रकार की बदहाली आस्था को भी ठेस पहुंचा रही है।

6-7 वर्षों से वीरान पड़ा अधिकारी आवास, बजट प्रस्ताव भेजने की बात कह रहा वन विभाग

बजट प्रस्ताव भेजा गया है : रेंजर

इस संबंध में जब वन परिक्षेत्र अधिकारी (रेंजर) हिना खान से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि जर्जर भवन के संबंध में बजट स्वीकृति के लिए प्रस्ताव उच्च अधिकारियों के माध्यम से जिला स्तर पर भेजा गया है। बजट मिलने के बाद विभाग आवश्यक कार्रवाई करेगा।

उठ रहा बड़ा सवाल

स्थानीय नागरिकों के बीच यह सवाल भी चर्चा का विषय बना हुआ है कि जब वन विभाग मंदिर और परिसर की नियमित देखरेख नहीं कर पा रहा है, तो धार्मिक स्थल के निर्माण के बाद उसकी सुरक्षा और स्वच्छता की जिम्मेदारी कौन निभाएगा? लोगों का कहना है कि यदि विभाग मंदिर परिसर को साफ-सुथरा और सुरक्षित नहीं रख सकता, तो उसकी देखरेख के लिए ठोस व्यवस्था बनाई जानी चाहिए।

लोगों की मांग

स्थानीय रहवासियों ने वन विभाग एवं जिला प्रशासन से मांग की है कि जर्जर भवन को हटाकर परिसर की साफ-सफाई कराई जाए, मंदिर परिसर को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाया जाए तथा नियमित रखरखाव की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालुओं और आम नागरिकों को गंदगी और बीमारियों के खतरे से राहत मिल सके।

मंदिर परिसर में गंदा पानी और मीट-मांस के अवशेष पहुंचने पर भड़की सनातन सेना

4 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन

सबलगढ़। अजय भारत न्यूज

श्रावण माह में श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र प्राचीन श्री लक्ष्मीनारायण भगवान मंदिर परिसर में गंदगी और दुर्गंध फैलने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। राष्ट्रीय सनातन सेना (भारत) के लेटरपैड पर मंगलवार को अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) को ज्ञापन सौंपकर मंदिर के समीप संचालित मीट-मांस की दुकान एवं कॉम्प्लेक्स का गंदा पानी मंदिर परिसर में आने की शिकायत की गई। संगठन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि चार दिनों के भीतर समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

ज्ञापन में कहा गया है कि न्यू बस स्टैंड स्थित प्राचीन श्री लक्ष्मीनारायण भगवान मंदिर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। आरोप है कि मंदिर के समीप संचालित मीट-मांस की दुकान तथा आसपास के कॉम्प्लेक्स का गंदा पानी सीधे मंदिर परिसर में बह रहा है, जिससे दुर्गंध फैल रही है। इतना ही नहीं, कई बार मंदिर परिसर में मीट-मांस के अवशेष मिलने की भी शिकायत की गई है, जिससे श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि इस संबंध में पहले भी एसडीएम एवं नगर पालिका सबलगढ़ के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को कई बार लिखित शिकायतें दी जा चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। संगठन ने मांग की है कि मंदिर परिसर की पवित्रता बनाए रखने के लिए मीट-मांस की दुकान को तत्काल हटाया जाए तथा गंदे पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था कराई जाए।

यह ज्ञापन पं. शशांक मरैया, प्रदेश उपाध्यक्ष (मध्य प्रदेश), राष्ट्रीय सनातन सेना (भारत) के लेटरपैड पर दिया गया है। ज्ञापन सौंपने के दौरान कुलदीप शर्मा (जिला अध्यक्ष, सनातन सेवा मुरैना), नवीन वर्मा एवं बालकिशन शर्मा उपस्थित रहे।

सीएमओ बोले– नोटिस जारी, दो दिन बाद होगी कार्रवाई

नगर पालिका सबलगढ़ के मुख्य नगर पालिका अधिकारी अतर सिंह रावत ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर दिए गए हैं। उन्हें दो दिन का समय दिया गया है। यदि तय समय में वे स्वयं अतिक्रमण एवं गंदे पानी की समस्या का समाधान नहीं करते हैं तो नगर पालिका अपने स्तर पर नियमानुसार कार्रवाई करेगी।

सिविल अस्पताल एवं निजी लैब की सीबीसी जांच में अंतर

अजय भारत न्यूज

जौरा,(कासं) । जौरा सिविल हॉस्पिटल एवं निजी लैब कि सीवीसी जांच में अंतर आने का एक मामला सामने आया है जिससे शासकीय अस्पताल में गुणवत्ता एवं सटीक जांच की कमी सामने आई है नगर युवा समाजसेवी आशीष गर्ग सोनू ने सिविल अस्पताल जोरा में सीबीसी की जांच करवाई थी जिसमें न्यूट्रॉफिल्स बहुत अधिक आए थे जबकि लामा फॉरस्टिक्स की जांच काम आई थी यह आमतौर पर बैक्टीरिया संक्रमण तेज बुखार या शरीर में सूजन के संकेत देता है दोबारा जांच करवाई तो उसमें दोनों रिपोर्ट सामान्य नजर आई जिससे यह महसूस हुआ कि संक्रमण काफी हद तक ठीक हो चुका है प्लेट्स भी सामान्य सीमा में थी सिविल अस्पताल में सीबीसी की जांच करने के बाद आशीष गर्ग ने डॉक्टर की सलाह पर एक निजी प्रयोगशाला में फिर से जांच करवाई जिसमें अधिकांश पैरामीटर सामान्य सीमा में पाए गए और पहली रिपोर्ट की तुलना में काफी अंतर दिखाई दिया दोनों रिपोर्ट में पाए गए महत्वपूर्ण अंतर को देखते यहां आशंका उत्पन्न होती है कि सिविल अस्पताल जोरा की पैथोलॉजी जांचों की गुणवत्ता एवं सटीकता की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए क्योंकि विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र के मरीज सरकारी अस्पताल की जांच रिपोर्ट पर ही निर्भर रहते हैं यदि जांचों की गुणवत्ता में कमी है तो इसका सबसे अधिक नुकसान आर्थिक रूप से कमजोर और ग्रामीण परिवारों को होगा । सिविल अस्पताल की पैथोलॉजी प्रयोगशाला जांच उपकरणों गुणवत्ता नियंत्रण व्यवस्था तथा रिपोर्टिंग की जांच उच्च स्तरीय निष्पक्ष तरीके से कराई जावे जिससे कि भविष्य में मरीजों को सही उपचार मिल सके और सरकारी स्वास्थ्य पर जनता का विश्वास बना रही ।

सिविल अस्पताल जौरा में ब्लॉक क्वालिटी सर्किल समीक्षा बैठक आयोजित

जौरा,(कासं) । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर पदमेश उपाध्याय के निर्देशन में सिविल अस्पताल जौरा के सभागार में बुधवार को ब्लॉक क्वालिटी सर्किल टीम की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य संस्थानों में संचालित डिलीवरी प्वाइंट्स की गुणवत्ता सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाना रहा। बैठक में मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अनुभा माहेश्वरी द्वारा डिलीवरी प्वाइंट्स से संबंधित विभिन्न गुणवत्ता मानकों की विस्तार से समीक्षा की गई तथा आवश्यक सुधारात्मक बिंदुओं पर चर्चा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही गुणवत्ता मानकों के अनुरूप सभी आवश्यक तैयारियाँ समय पर पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया गया।

शुक्ला ब्राह्मण अन्तर्राष्ट्रीय संगठन के बने प्रदेश महासचिव

अजय भारत न्यूज

जौरा,(कासं) । वरिष्ठ पत्रकार समाजसेवी ब्राह्मण समाज की पूर्व अध्यक्ष जगदीश शुक्ला को ब्राह्मण अन्तर्राष्ट्रीय संगठन का प्रदेश महासचिव बनाया गया है हाल ही में मुरैना में आयोजित संगठन के कार्यक्रम में उपस्थित सैकड़ो वरिष्ठ ब्राह्मण समाज बंधुओ की मौजूदगी में संगठन के प्रभारी राजीव शर्मा ने जगदीश शुक्ला की सामाजिक संगठन आत्मक सक्रियता गतिविधियों को देखते हुए उन्हें प्रदेश महासचिव की अहम जिम्मेदारी दी गई है जगदीश शुक्ला ने ब्राह्मण अंतरराष्ट्रीय संगठन का प्रदेश महासचिव बनने पर कहां है कि जिस विश्वास के साथ मुझे यह जिम्मेदारी दी गई है उसे मैं संगठन के प्रचार प्रसार समाज हित में पूरी मेहनत कर उसे निभाने का प्रयास करूंगा वही उन्हें महासचिव बनने पर उनके सैकड़ो शुभचिंतकों ब्राह्मण समाज के समाजसेवियों ने बधाई दी है ।

उत्तर मध्य रेलवे
निविदा सूचना संख्या : झाँसी-एम-ओफ-26-05 दिनांक 04.08.2026
ई-निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर मण्डल रेल प्रबन्धक/यांत्रिक, झाँसी, उत्तर मध्य रेल निर्धारित निविदा प्रारूप में निम्नलिखित कार्य हेतु खुली ऑन लाईन निविदायें (ई-टेण्डरिंग) आमंत्रित की जाती है।
ई-निविदा सूचना संख्या : झाँसी-एम-ओफ-26-05
कार्य का उसके स्थान सहित नाम : "वैगन मरम्मत डिपो/झाँसी में ROH के दौरान CASNUB ट्रॉली के संपूर्ण वेल्डिंग मरम्मत कार्य की 03 वर्षों की अवधि के लिए आउटसोर्सिंग।"
कार्य की अनुमानित लागत : रू0 47,64,852.00/- | धरोहर राशि : रू0 95,300/-
कार्य समापन की अवधि : 36 माह
निविदा बंद करने की तारीख एवं समय : 26.08.2026 बंद होने का समय 15:00 बजे।
● निविदा दिनांक 26.08.2026 को 15:00 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। ● पूर्ण विवरण एवं निविदा प्रस्तुत करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध कराया गया है। 1796/26 (AS)
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे
पत्र सं - JHS/Comm/e-Auction/26/156 दिनांक - 05.08.2026
ई-नीलामी निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य) झांसी द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है:-
श्रेणी : पार्सल | केटलोग संख्या : JHS-Leasing 75
एसेट्स डिटेल्स : 1. ट्रेन संख्या-12176-एसएलआर-एफ-1-GWL-HWH-26-2 (पार्सल-एसएलआर)
ई-नीलामी प्रारम्भ होने की तिथि व समय : दिनांक 21.08.2026 को समय - 12:00 से
ई-नीलामी समाप्त होने की तिथि व समय : दिनांक 21.08.2026 को समय - 12:30 तक
नोट : उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाइन वेबसाइट www.ireps.gov.in के e-auction module के माध्यम से की जाएगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त केटलॉग संख्या के अंतर्गत उपलब्ध है। 1805/26 (C)
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONC

उत्तर मध्य रेलवे
पत्र सं.: JHS/Comm/e-Auction/26/155 दिनांक: 04.08.2026
ई-नीलामी सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य) झांसी द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है:-
श्रेणी : पार्सल | केटलोग संख्या : JHS-Leasing-72
एसेट्स डिटेल्स
(1) ट्रेन संख्या-22194 में 01 एसएलआर-एफ-I (2) ट्रेन संख्या-11109 में 01 एसएलआर-एफ-I
(3) ट्रेन संख्या-12279 में 01 एसएलआर-एफ-I (4) ट्रेन संख्या-12320 में 01 एसएलआर-आर-I
(5) ट्रेन संख्या-11086 में 01 एसएलआर-एफ-I (6) ट्रेन संख्या-12198 में 01 एसएलआर-एफ-I & एफ-II
(7) ट्रेन संख्या-11107 में 01 एसएलआर-एफ-I & आर-I (8) ट्रेन संख्या में-22195 में 01 एसएलआर-एफ-I
(9) ट्रेन संख्या में-12049 में 01 एसएलआर-एफ-I (10) ट्रेन संख्या में-22198 में 01 एसएलआर-एफ-I
ई-नीलामी प्रारम्भ होने की तिथि व समय: दिनांक- 20.08.2026 को समय- 11:00 से
ई-नीलामी समाप्त होने की तिथि व समय: दिनांक- 20.08.2026 को समय- 13:20 तक
नोट: उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाइन वेबसाइट www.ireps.gov.in e auction module के माध्यम से की जाएगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त केटलॉग संख्या के अंतर्गत उपलब्ध है। 1794/26 (MG)
North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

अग्रवाल संघ मुरैना द्वारा तीन दिवसीय 'रक्षाबंधन मेला-2026' का शुभारंभ 7 अगस्त से

महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता को मिलेगा नया आयाम

मुरैना। अजय भारत न्यूज

अग्रवाल संघ मुरैना के तत्वावधान में 7, 8 एवं 9 अगस्त 2026 को गांधी मैरिज होम, गांधी बाल निकेतन रोड, गोपालपुर, मुरैना में तीन दिवसीय 'रक्षाबंधन मेला-2026' का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह मेला महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार एवं उद्यमिता को प्रोत्साहित करने की दिशा में अग्रवाल संघ की एक महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायी पहल है। मेले का शुभारंभ 7 अगस्त 2026 को प्रातः 10:00 बजे प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भारतीय जनता पार्टी एवं पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. योगेशपाल गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में होगा। कार्यक्रम में अग्रवाल महासभा की अध्यक्ष श्रीमती शशि अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। इस मेले में महिला उद्यमियों द्वारा राखियाँ, परिधान, आभूषण, पूजा सामग्री, सौंदर्य प्रसाधन, गृह सज्जा सामग्री, हस्तशिल्प उत्पाद, खाद्य सामग्री तथा अन्य घरेलू एवं उपयोगी वस्तुओं के आकर्षक स्टॉल लगाए जाएंगे। यह आयोजन महिलाओं को अपनी प्रतिभा, कौशल एवं उद्यमशीलता का प्रदर्शन करने के साथ-साथ अपने उत्पादों के प्रचार-प्रसार एवं विक्रय का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करेगा। अग्रवाल संघ का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना तथा उन्हें व्यवसाय एवं स्वरोजगार के लिए एक सशक्त मंच उपलब्ध कराना है। संघ का विश्वास है कि जब महिलाएँ आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त होंगी, तभी समाज और राष्ट्र की प्रगति का मार्ग और अधिक सुदृढ़ होगा। मेले के समापन दिवस पर 9 अगस्त 2026 को दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती लता गुप्ता का नागरिक सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर समाज के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में अग्रबंधु उपस्थित रहेंगे। मेला संयोजक राहुल गोयल एवं अग्रवाल संघ मुरैना के समस्त पदाधिकारीयों ने समस्त नगरवासियों से सपरिवार रक्षाबंधन मेले में पधारने, महिला उद्यमियों का उत्साहवर्धन करने, उनके उत्पादों की खरीदारी करने तथा इस सामाजिक एवं प्रेरणादायी अभियान को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया है।

अब न देरी, न दूरी

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान
अब सरकार हमारे द्वार

- नामांतरण, सीमांकन व फाइलें अब अटकेंगी नहीं, होगा ऑन-द-स्पॉट क्लीयरेंस!
- हर योग्य किसान को फार्मर ID और टॉप-क्वालिटी खाद-बीज की इंस्टेंट डिलीवरी
- आयुष्मान कार्ड का 100% कवरेज + हॉस्पिटल्स का ऑन-ग्राउंड सरप्राइज ऑडिट
- e-KYC और आधार कार्ड अपडेशन बिना किसी झंझट के तुरंत डन!
- कुटीर व लोकल बिजनेस को N.O.C. और स्वीकृतियों का सुपरफ़ास्ट अप्रूवल
- PM आवास, नल से जल, राशन और लॉ एंड ऑर्डर का स्ट्रिक्ट ऑन-स्पॉट चेक
- लोक सेवा गारंटी प्रकरणों का शत-प्रतिशत समाधान, सरकारी कार्यप्रणाली का इवैल्यूएशन और जनसमस्याओं का क्विक सॉल्यूशन
- आंगनवाड़ी सेवाओं व बच्चों के पोषण की निगरानी और स्कूल-कॉलेजों की शिक्षा का मूल्यांकन
- सड़क, तालाब, अमृत सरोवर और अन्य विकास कार्यों का भौतिक सत्यापन

शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा

छिंदवाड़ा, मध्यप्रदेश

D-11073/26

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhypradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

7 अगस्त 2026 से 8 जनवरी 2027

हर शुक्रवार, सरकार जनता के द्वार

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2026

स्वामित्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अजय दीक्षित द्वारा अजय भारत प्रिंटिंग प्रेस, शांति विद्या पीठ केम्पस, ग्वालियर रोड मुरैना से मुद्रित एवं ई-11 सिटी सेन्टर साइड नं. 1 ग्वालियर म.प्र. से प्रकाशित। R.N.I. पंजीयन क्रमांक MPHIN/2013/53959 प्रधान संपादक अजय दीक्षित मो. 94251-26037